'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष : 02 | अंक : 55 | पृष्ठ 08 | मूल्य 01 रूपए | मंगलवार,25 फरवरी 2025 | samachargate@gmail.com

भाजपा मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी को बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जनता ने दिया समर्थन

-जहां-जहां जनसंपर्क कार्यक्रम हुए, लोग खुलकर भाजपा के पक्ष में आए

● -पूर्व कैबिनेट एवं विधायक मूलचंद शर्मा ने भी जनसंपर्क कार्यक्रमों में की शिरकत

फरीदाबाद। सोमवार को बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी के जनसंपर्क कार्यक्रम हुए। इन कार्यक्रमों में क्षेत्र के लोगों ने उनका खुलकर समर्थन किया। लोगों ने रिकॉर्ड मतों से उन्हें विजयी बनाने की बात कही। कार्यक्रमों में मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी के साथ विधायक मूलचंद शर्मा भी मौजूद रहे। बल्लभगढ़ विधानसभा में मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी ने जनसंपर्क कार्यक्रम में अपने साथ-साथ वार्ड-3 से भाजपा के प्रत्याशी रवि कश्यप, वार्ड-4 के सेक्टर-22 में भाजपा प्रत्याशी संगीता भारद्वाज, वार्ड-40 से नवीन चेची, वार्ड-41 से महेश गोयल, वार्ड-42 योगेंद्र सैनी, वार्ड-43 से स्वराज सिंह, वार्ड-45 से किरण बाला, वार्ड-46 से प्रत्याशी सोहनवीर के लिए समर्थन मांगा। कार्यक्रमों में टीपरचंद शर्मा, पवन अरोड़ा,चमन भाटिया, रोहताश सहित कई भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी ने जनता से अपने लिए व पार्षदों के लिए वोटों की अपील की। पूर्व कैबिनेट मंत्री व बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा मेयर प्रत्याशी एवं वार्ड प्रत्याशियों को अपना समर्थन दें, ताकि वार्ड के विकास की गति को तेज किया जा सके। श्री शर्मा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार को ट्रिपल इंजन की सरकार बनाकर क्षेत्र के विकास को गति देने का काम करें। उन्होंने कहा कि विकास का दूसरा नाम भारतीय जनता पार्टी है। देश का विकास हो या प्रदेश का या अपने शहर का। विकास भाजपा ने ही किया है और भाजपा ही करेगी। पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी विकास की सोच नहीं रखी। देश व प्रदेश का विनाश करने का काम किया है। परिवारवादी कांग्रेस पार्टी अब गर्त में जा चुकी है। कांग्रेस चुनावों में अपनी हार मान चुकी है। जिस मजबूती से भाजपा चुनाव लड़ रही है, कांग्रेस उसकी 10 प्रतिशत भी मजबूत नहीं है। कांग्रेस के बड़े नेता तो चुनाव प्रचार करने से भी पीछे हटे हुए हैं। प्रचार में वे निकले ही नहीं। क्योंकि चुनाव के परिणामों का उन्हें भी पता है। मूलचंद शर्मा ने कहा कि जनता भी कांग्रेस को समझ चुकी है। इसलिए जिस-जिस राज्य में चुनाव हो रहे हैं, वहां पर जनता भाजपा को ही सत्ता में लेकर आ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने शिक्षित मेयर उम्मीदवार फरीदाबाद को दी है। उन्हें कामयाब बनाकर हमें अपने शहर के विकास के लिए मजबूती से काम करना चाहिए। विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि जनता के हितों की रक्षा भाजपा में ही हो सकती है।

जनता निकाय चुनाव में भी भाजपा के साथ, फरीदाबाद में बनेगी ट्रिपल इंजन की सरकार: प्रवीण बत्रा जोशी

मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी ने जनसंपर्क अभियान के दौरान कहा कि निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी विजय से छह दिन की दूरी पर है। उन्होंने कहा कि चुनाव में हम मजबूती से खड़े हैं। भाजपा की नीतियों पर फरीदाबाद की जनता ईवीएम में कमल के फूल के सामने का बटन दबाकर इतिहास बनाने का काम करेगी। जब भाजपा तब भाजपा का उद्देश्य लेकर हम सब चुनाव मैदान में मेहनत कर रहे हैं।

उन्होंने मजबूती से दावा किया कि जनता भाजपा को सत्ता में लेकर आ रही है। फरीदाबाद नगर निगम चुनाव में उन्हें जनता विजयी बनाकर मेयर बनाएगी। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि विकास को गति देनी है

तो कमल के फूल पर वोट देकर अपनी छोटी सरकार चुनें।

पूरे हरियाणा की तरह हिसार में भी भाजपा के पक्ष में प्रचंड जनसमर्थन दिखाई दे रहा: विपुल गोयल

समाचार गेट/संजय शर्मा

हिसार। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सोमवार को हिसार के वार्ड 14 में भाजपा प्रत्याशी श्री संजय डालमिया के समर्थन में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा में स्थानीय भाजपा नेतृत्व, पार्टी कार्यकर्ता और भारी संख्या में आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने संबोधन में विपुल गोयल ने कहा कि पूरे हरियाणा की तरह हिसार में भी भाजपा के पक्ष में प्रचंड जनसमर्थन दिखाई दे रहा है और इस बार भाजपा प्रत्याशी रिकॉर्ड मतों से विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है और आने वाले निकाय चुनावों में जनता एक बार फिर भाजपा पर अपना विश्वास जताएगी।

विकास की निरंतरता के लिए भाजपा को समर्थन दें

विपुल गोयल ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने हरियाणा के विकास को गति दी है और अब निकाय चुनाव के माध्यम से स्थानीय स्तर पर विकास को और तेज किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि 2 मार्च को होने वाले चुनाव में कमल के निशान पर मतदान कर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाएं, ताकि शहर के विकास कार्य निर्बाध रूप से आगे बढ़ते रहें। स्थानीय विकास योजनाओं पर जोर।उन्होंने भाजपा सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी शहरों में आधारभूत संरचना को मजबूत करने, जल निकासी व्यवस्था को सुधारने, सड़कों के उन्नयन, स्वच्छता अभियान को सशक्त बनाने और स्मार्ट स्ट्रीट्स,दोगुनी स्ट्रीट लाइट्स, बेहतर निकासी, आधुनिक कम्युनिटी हाल, लाइब्रेरी, ऑनलाइन सेवा केंद्र के साथ उच्चतम मानक की नागरिक सेवा देने के किए प्रतिबद्ध है जनता को मतदान के प्रति किया जागरूक अपने संबोधन में श्री गोयल ने कहा, "मतदान केवल हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है।" प्रत्येक नागरिक को अपने परिवार और मित्रों के साथ मतदान केंद्र पर जाकर भाजपा को विजयी बनाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जनता को ऐसे किसी भी व्यक्ति को वोट नहीं देना चाहिए जो विकास के नाम पर बहानेबाजी करता हो और जब काम कमल से होगा, तो वोट भी कमल को ही जाएगा। इसी दिन विपुल गोयल ने हिसार में अन्य कई स्थानों पर भी विभिन्न पार्षद प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कांग्रेस प्रत्याशी नरेन्द्र सिंह ने गांव सोतई, मछगर, नीमका व अन्य गांव में डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान किया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। नगर निगम चुनावों के अंतर्गत वार्ड 44 से कांग्रेस के प्रत्याशी शिक्षित कर्मठ युवा नरेन्द्र सिंह ने गांव सोतई, मछगर, नीमका व अन्य गांव में डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान के दौरान कहा कि भाजपा को राज करते हुए को 11 साल हो गए लेकिन जनता आज भी विकास कार्यों के लिए तरस रही है । चुनाव प्रचार के दौरान ही स्थानीय लोगों से उनकी मूलभूत सुविधाओं की कमियों को समझा एवं उन्हें मौके पर ही समाधान करवाने का आश्वासन भी दिया, एवं लोगों से आने वाली 2 मार्च को हाथ के पंजे पर बटन दबाकर उन्हें विजयी बनाएं। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह के हरकेश, संजय, वीरेंद्र सिंह, अत्रि दीपक, राजू, आशु बैसला, हरेंद्र शर्मा, अमित तेवतिया, अजय यादव एंव वार्ड नंबर 44 के गणमान्य साथी मौजूद रहे।

नगर निगम का बजट 2500 करोड़ है लेकिन विकास कार्य नहीं करवाए जाते, विकास कार्यों का पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है और आज भी भाजपाई जनता को भ्रमित कर रहे हैं कि अगर भाजपा के प्रत्याशी नहीं जीते तो विकास कार्य भी नहीं होगें।

जनता ने भाजपा को दो दो बार जिता कर देख लिया है पर उन्होंने कोई विकास कार्य नहीं करवाए। जनता कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताए विकास कार्य करवाना मेरी जिम्मेवारी है। यह बातें अलग अलग स्थानों पर कांग्रेसी प्रत्याशी नरेन्द्र सिंह ने अनेकों जनसभाओं को सम्बोधित करते हुए कहीं।

रितु शर्मा के जनसंपर्क अभियान में उतरी सैकड़ो महिलाएं

समाचार गेट /सुमित गोयल

फरीदाबाद। बता दें वार्ड नंबर 11 की प्रत्याशी रितु शर्मा नगर निगम चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतरी है जिनका लगातार जनसंपर्क अभियान करते ते हुए पांचवा दिन है युवा व शिक्षित उम्मीदवार है वार्ड नंबर 11 में संपर्क अभियान करते हुए बुजुर्गों के आशीर्वाद के साथ-साथ महिलाओं का सपोर्ट मिल रहा है। रितु शर्मा ने डोर टू डोर व कई जनसभाओं को किया जहां उन्हें जनता का भरपूर आशीर्वाद मिल रहा है। जब उन्हों से इस बारे में बात करी गई तो उन्होंने बताया की जनता से जनसंपर्क के दौरान उनकी जब बातें होती हैं तो वह लोगों की समस्याओं को सुनती हैं तो उन्हें पता चलता है वार्ड में क्या-क्या समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं जिनका समाधान वह जल्द ही पार्षद के रूप में करेंगी। उन्होंने जनता से अपील की कि वह साइकिल के निशान पर आने वाली 2 तारीख को अपना कीमती वोट देकर

उन्हें विजयी बनाएं ताकि वह जनता की आवाज को उठा सकें। इस मौके पर उनके साथ सैकड़ो बुजुर्ग और महिलाओं ने गली-गली जनसंपर्क अभियान किया और उन्होंने को विजयी बनाने के लिए अपील की।

सभी वार्ड में लगाए जाएंगे समाधान शिविर: निर्दलीय मेयर उम्मीदवार -अंजना सुंदर शर्मा

समाचार गेट/ सुमित गोयल

फरीदाबाद : फरीदाबाद मेयर के चुनाव को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी अंजना शर्मा ने अपने अभियान को आगे बढ़ाते हुए व अभियानों को तेज कर दिया है। चुनाव प्रचार के पांचवें दिन रविवार को अंजना शर्मा ने सेक्टर 7, गांधी कॉलोनी, डबुआ, पर्वतीय कॉलोनी, संजय कॉलोनी, ओल्ड फरीदाबाद कई जगह जन सभाएं की और डोर टू डोर लोगों से संपर्क किया।अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान कार्यक्रमों में जहां उन्हें जनता का भरपूर समर्थन मिला वही उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना व समझा और कहा कि जल्द ही वह आप लोग के वोट रुपी आशीर्वाद से मेयर पद की कुर्सी पर बैठेंगी। और समस्याओं का निवारण करेंगी। इस मौके पर उन्होंने कहा। फरीदाबाद की जनता अपना कीमती वोट पीपल के पत्ते पर देकर उन्हें विजयी बनाएं। बिजली पानी हाउस टैक्स प्रॉपर्टी आईडी इत्यादि जैसे कामों के लिए हर वार्ड में नगर निगम कार्यालय खुलवाये जाएंगे। सभी वार्ड में उनकी समस्या सुनने के लिए वही अधिकारी उपलब्ध कराए जाएंगे।

वह सभी वार्डों में समाधान शिविर समय-समय पर लगायें जाएंगे। जहां पर जनता की समस्याओं का तुरंत निवारण किया जाएगा।

बीजेपी से पार्षद पद के प्रत्याशी प्रदीप टोंगर ने घर-घर जाकर किया प्रचार

फरीदाबाद । नगर निगम फरीदाबाद के वार्ड नंबर 44 से पार्षद पद के प्रत्याशी प्रदीप टोंगर ने आज मलेरना गांव में अपने चुनावी अभियान को जोर-शोर से जारी रखते हुए गांववासियों से संपर्क किया। बीजेपी उम्मीदवार प्रदीप टोंगर ने सुबह से लेकर शाम तक घर-घर जाकर ग्रामवासियों से आशीर्वाद लिया। प्रदीप टोंगर ने कहा, "ग्रामवासियों से मिलने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने से मुझे यह विश्वास और संबल मिलता है कि हम सब मिलकर फरीदाबाद के विकास में अहम योगदान देंगे।" उन्होंने जनता से अपनी योजनाओं और वादों के बारे में विस्तार से बातचीत की और यह सुनिश्चित किया कि उनकी प्राथमिकता स्थानीय समस्याओं का समाधान करना रहेगा। प्रचार के दौरान प्रदीप टोंगर ने गांववासियों से बीजेपी सरकार की विकास योजनाओं को लेकर समर्थन की अपील की। उन्होंने गांव में बिजली, पानी, सड़क और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर करने की बात की।

उत्तर प्रदेश समाचार

मंगलवार,25 फरवरी 2025

यूपी बोर्ड- एडमिट कार्ड में छात्र का जेंडर बदला

सेंटर पर मोजे तक उतरवाए सी.सी.टी.वी. से निगरानी एस.टी.एफ

लखनऊ। यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो गईं। सुबह पहली पाली में 10वीं के स्टूडेंट्स ने हिंदी और सामान्य हिंदी का पेपर दिया। परीक्षा सुबह 8.30 से 11:45 बजे के बीच कराई गई। अब दूसरी पाली चल रही है। दोपहर 2 बजे से 12वीं के स्टूडेंट्स हिंदी और सामान्य हिंदी के पेपर दे रहे हैं। वहीं, हाईस्कूल के छात्रों की हेल्थ केयर की परीक्षा है। परीक्षा शाम 5:15 बजे खत्म होगी। 10वीं और 12वीं में 54 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल हैं। एग्जाम सेंटर्स पर इतनी सख्ती है कि कानपुर में छात्रों के मोजे तक उतरवा दिए। छात्राओं की हेयर क्लिप तक की जांच की गई। आगरा में यूपी बोर्ड की लापरवाही से हाईस्कूल के एक छात्र को परेशान होना पड़ा। छात्र के एडमिट कार्ड में उसका जेंडर गलत लिख दिया गया। स्कूल प्रशासन ने 'मेल' की जगह 'फीमेल' लिख दिया। लखनऊ में शिक्षा मंत्री गुलाब देवी एग्जाम सेंटर पहुंचीं। वहां इंतजाम चेक किए। बच्चों का टीका लगाकर उन्होंने सेंटर्स पर स्वागत किया। वाराणसी में बच्चों को एग्जाम से पहले मिठाई खिलाई गई। गोरखपुर में DIOS कंट्रोल रूम पहुंच गए। उन्होंने वहां परीक्षा की तैयारियां देखीं। पहली बार उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 के तहत कराई जा रही है। यूपी बोर्ड परिषद के सचिव भगवती सिंह बताते हैं- इस अधिनियम के तहत सॉल्वर गिरोह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। जिसमें 1 करोड़ रुपए जुर्माना और आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। प्रयागराज स्थित माध्यमिक शिक्षा परिषद मुख्यालय पर कंट्रोल रूम बनाया गया है। जहां से पूरे प्रदेश के सेंटरों की मानिटरिंग CCTV के जरिए की जा रही है। वहीं, प्रयागराज में महाकुंभ मेले में भीड़ के चलते परीक्षा को कैंसिल किया गया है। 24 को होने वाला एग्जाम 9 मार्च को कराया जाएगा। यूपी बोर्ड की लापरवाही से हाईस्कूल के एक छात्र को परेशान होना पड़ा। श्रीमती शहजादी बेगम इंटर कॉलेज के छात्र के एडमिट कार्ड में उसका जेंडर गलत लिख दिया गया। स्कूल प्रशासन ने 'मेल' की जगह 'फीमेल' लिख दिया। छात्र ने तुरंत स्कूल में इस गलती की शिकायत की। स्कूल प्रशासन ने आश्वासन तो दिया, लेकिन एडमिट कार्ड में सुधार नहीं किया। सोमवार को जब छात्र नैनाना जाट स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में परीक्षा देने पहुंचा तो उसे वापस लौटा दिया गया।

संक्षिप्त डायरी

थाई द्वारा आयोजित बुद्ध धातु शोभायात्रा समारोह का हुआ समापन

कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित थाई मंदिर में माघी पूर्णिमा के अवसर पर 16 वें वर्ष आयोजित पांच दिवसीय समारोह का मुकुट बंधन चैत्य में पूजन, अर्चन और धम्म पाठ के। बीच विश्व कल्याण की कामना के साथ समापन हो गया। कार्यक्रम के प्रतिभागी 30 विद्यालयों के बच्चों को खाद्य सामग्री देकर पुरस्कृत किया गया। सोमवार को प्रमुख थाई बौद्ध गुरु श्रीसमिथ फ्रामहाथिरचान और रॉयल थाई एयरफोर्स कमांडर इन चीफ एयर मार्शल पुनपक्दी पट्टानकुल, थाई संघा भारत नेपाल के चीफ भन्ते फ्रा थे बोदियोंग और थाई मंदिर के प्रमुख भिक्षु फ्राविडेश्वचिरायन (डा0 पी सोम पोंग), देश विदेश के भिक्षुओं, उपासकों ने महा परिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन पूजन कर चीवर चढ़ाया। इसके पश्चात थाई मोनेस्ट्री से रविवार को यहां आई बुद्ध धातु शोभायात्रा शुरू हुई। मुकुट बंधन चैत्य (रामा भार स्तूप) पहुंची। यात्रा में शामिल बौद्ध धर्म गुरु भंते ज्ञानेश्वर, मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजेश पांडेय, श्रीसमिथ पोंगरीथ, मिसेज किरिनरात, चिया युवान, मिसेज अमपोर्न, मिसेज विफा, चावा लित, दिनेश तिवारी यात्रा में शामिल थे। पूर्व सांसद श्री पांडेय ने कहा कि बुद्ध के सिद्धांत में ही जन जन का कल्याण है। शोभायात्रा में थाई कलाकार अलग, अलग टोलियों में आकर्षक नृत्य कर रहे थे। अंत में भिक्षुओं ने कार्यक्रमों में भाग लिए सभी स्कूली बच्चों को जलपान कराया और उन्हें खाद्य सामग्री भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। इस दौरान फ्रा खू सोन क्रान, भंते समिट, भंते अचान पविन, भंते कितिफान, टीके राय, अंबिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, सूरज यादव, गौतम शर्मा, अमिताभ त्रिपाठी सहित बुद्ध इंटर कालेज के एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न विद्यालय के बच्चों ने भाग लिया।

बौद्ध संग्रहालय द्वारा आयोजित वाद- विवाद प्रतियोगिता के प्रतिभागी हुए सम्मानित

कुशीनगर। शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर (संस्कृति विभाग, उ०प्र०) एवं राधा कृष्णा धनपाती देवी शिक्षण संस्थान खुखुंदू देवरिया के संयुक्त तत्वाधान में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन राधा कृष्णा धनपाती देवी शिक्षण संस्थान खुखुंदू देवरिया के परिसर मे किया गया। प्रतियोगिता का आरंभ मुख्य अतिथि रवि प्रताप मिश्रा, प्रबंधक राधा कृष्ण धनपति देवी शिक्षण संस्थान, खुखुंदू, देवरिया ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने के साथ किया गया। प्रतियोगिता में कुल 120 छात्र -छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता की गई। प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार सुमित कुमार यादव, द्वितीय पुरस्कार शम्स तबरेज अंसारी, तृतीय पुरस्कार अमन राजभर को व सांत्वना पुरस्कार अदनान अंसारी, किशन पांडे व दीपिका यादव को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण किया गया। अतिथियों का स्वागत एवं आभार संग्रहालय के श्री तेज प्रताप शुक्ल के द्वारा किया गया। संचालन तरुण शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के मोहम्मद कलाम, सुधीर, रंजीत, पनम, सुमन, पूनम, प्रियंका अन्य उपस्थित रहे।

टेकुआटार - हाटा मार्ग निर्माण हेतु सांसद व विधायक ने किया शिलान्यास

कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के हर गांव का होगा विकास : पीएन पाठक

कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के टेकुआटार से हाटा मार्ग का रविवार को टेकुआटार लहवारी चौक पर कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे व कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने भूमि पूजन के बाद निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नेशनल हाईवे को जोड़ने वाला यह मार्ग काफी दिनों से क्षतिग्रस्त था। सड़क बनने से सोहसा मठिया, कुरमौटा मंझरिया, रामनगर, देवडार पिपरा, सकरौली, पगारा होते हाटा तक यात्रा काफी सुगम हो जाएगी। शासन ने उक्त सड़क 16.7 किमी लंबे मार्ग निर्माण के लिए 2654.96 लाख का बजट जारी किया है। लोक निर्माण विभाग को कार्यदाई संस्था बनाया है। कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे ने कहा कि सड़क बनने से टेकुआटार, कुरहवां, परवरपार, सोहसा मठिया, छपरा, नरकटिया, पिपरा रामनगर, देवराज पिपरा सहित हाटा तक जाने वालो के लिए लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। कुशीनगर विधायक श्री पाठक ने कहा कि कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ा जाएगा ताकि लोगों का आवागमन सुगम हो। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राजेश निगम निर्माण खंड ने बताया कि यह सड़क निर्माण में मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अध्यक्षता टेकुआटार मंडल अध्यक्ष राजेश राव व संचालन भाजपा नेता अमरनाथ मद्धेशिया ने किया। भाजपा नेता संतोष सिंह, आदित्य त्रिपाठी, अजय शर्मा, वशिष्ट मुनि तिवारी, मनोज कुमार, छत्रशाल, किशन रावत, मुलायम यादव, मनोज जायसवाल, विनोद तिवारी, राणा प्रताप राव, शिवाकांत ओझा सचिन पाठक धनंजय मणि त्रिपाठी अमित मालवीय राज पाठक रूद्र प्रकाश सिंह उमेश राव, राजन, पतिराज चौहान, चन्दप्रभा पांडेय, अम्बरीश कान्दू, मुन्ना चौधरी, शैलेन्द्र कोटेदार, संजय राव मौजद रहे।

रेलवे और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी से ही टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा: संतोष कपूर

कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थली कुशीनगर में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए रेलवे और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी जरूरी है। ट्रेवल सुविधा बढ़ने से देश और विदेश के पर्यटक और बौद्ध श्रद्धालु सीधे कुशीनगर पहुंच सकेंगे और खर्च भी कम आयेगा। उक्त बातें ट्रेवल्स मामलों के जानकार और बनारस और बोधगया में सुपर ट्रेवल्स एण्ड टूर्स के प्रबंधक संतोष कपूर ने नगर के एक निजी होटल में कही। श्री कपूर ने कहा कि कुशीनगर में मोदी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट निर्माण कराकर सराहनीय कार्य किया है। इस एयरपोर्ट से थाईलैंड, म्यांमार, श्रीलंका, ताइवान आदि बौद्ध देशों से सीधी उड़ान से कुशीनगर आने के इच्छुक यात्रियों को सुविधा होगी। रेलवे कनेक्टिविटी होने से कुशीनगर का बनारस, प्रयागराज, अयोध्या की तरह विकास होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन आवास गृह को सही से संचालित किया जाय और कमरों की संख्या बढ़ा दी जाय तो पर्यटकों की संख्या में भारी इजाफा होगा और रोजगार भी बढ़ेंगे। कुशीनगर में होटलों की कमी है। क्वालिटी जैसी कोई चीज नहीं है। इंटरनेट की सुविधा ठीक नहीं है। सरकार होटल निर्माण के लिए 30 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है और होम स्टे को स्वीकृति दी है। बेसिक सुविधा मिलने से बाहर से आने वाले लोगों को रुम मिल सकता है और यहां वह कई दिनों तक रुक सकते हैं। हर कोई प्रकृति से जुड़ना चाहता है। बाहर से आने वाले लोगों को बेहतर ट्रेवल सुविधा मिलनी चाहिए।

एसपी ने पृथ्वीनाथ मंदिर का किया निरीक्षण

महाशिवरात्रि को लेकर तैयारियां सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों का जायजा

गोंडा। में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने खरगूपुर थाना अध्यक्ष कमलाकांत त्रिपाठी के साथ एशिया की सबसे ऊंची शिवलिंग वाले पृथ्वीनाथ मंदिर का निरीक्षण किया। एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि पर लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए आते हैं। इसलिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं। जिले के सभी पौराणिक और ऐतिहासिक शिव मंदिरों की निगरानी सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से की जाएगी। सभी थाना अध्यक्षों को धर्म गुरुओं, आयोजकों और शांति समितियों के साथ पीस कमेटी की बैठक करने के निर्देश दिए गए हैं। शोभायात्रा और मेले के शांतिपूर्ण आयोजन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संवेदनशील इलाकों की विशेष निगरानी की जाएगी। नदियों और घाटों पर बैरिकेडिंग की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गोताखोर भी तैनात किए जाएंगे। दरअसल गोंडा जिले के पृथ्वीनाथ, बाबा दुःखहरण नाथ, करोहानाथ और बाबा बालेश्वर नाथ मंदिर सहित कई शिवालियों में लाखों की संख्या में शिव भक्त महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करते हैं। जलाभिषेक करने से पहले शिव भक्त करनैलगंज के सरयू घाट और अयोध्या के सरयू नदी से जल लेकर के गोंडा आते हैं। जल लेकर आ रहे श्रद्धालुओं को रास्ते में किसी भी प्रकार की दिक्कत प्रणाम इसको लेकर के भी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है।

बेबी डॉल पब्लिक स्कूल में स्काउट-गाइड शिविर का हुआ समापन

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र बेबी डॉल पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान आहलादपुर पप्पू राय ने ध्वजारोहण कर शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड के प्रशिक्षण से बच्चों में अनुशासन, सेवा-भाव और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। विद्यालय के प्रबंधक हरेंद्र गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्काउट-गाइड अनुशासन की जननी है। जो बच्चों को आत्मनिर्भर और समाज के प्रति जागरूक बनाती है। इस कार्यक्रम में जितेंद्र राय, उदयभान सिंह, कुलदीप गौतम, धनंजय कुशवाहा, तसलीमा, सौम्या, सामियारा, अंजलि, अनुपमा, सीमा, गोविंद और तरन्नुम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रद्धाश्री एस ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और बच्चों को भविष्य में भी इसी प्रकार अनुशासन और सेवा की भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कसया में 30 रोगियों में वितरित हुआ पोषण की पोटली

कुशीनगर। सीएचसी के परिसर में सोमवार को 30 टीबी रोगियों में प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया। जिसमें आईएमए द्वारा 25 मरीजों को चौथे माह की तथा उषा देवी द्वारा एक मरीज को चौथे माह, अंजलि मिश्रा एवं अशोक गुप्ता द्वारा एक-एक मरीज को दूसरे माह की तथा दो नये मरीजों को प्रथम माह की पोटली दी गयी। ईएमए के अध्यक्ष डॉ जीपी राय ने कहा कि जनपद की टीबी मुक्त बनाने के लिये सभी को क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम में सहयोग करने की जरूरत है। सामुहिक प्रयास से ही टीबी रोग का खात्मा किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि आईएमए के सचिव डॉ वाई के मद्धेशिया ने कहा कि आईएमए जनपद को टीबी मुक्त बनाने में अपना पूर्ण योगदान दे रहा है। हम सभी टीबी रोगियों का निःशुल्क उपचार भी कर रहे है। साथ में पोषण की व्यवस्था भी कर रहे है। अध्यक्षता कर रहे अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी ने समाज के सम्भ्रांत व्यक्तियों से टीबी रोगियों को गोद लेने की अपील किये। संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र ने किया। अतिथियों का स्वागत एमोटीसी डॉ मुकेश यादव ने किया तथा आभार ज्ञापन एसटीएस शाहिद अंसारी ने किया। इस दौरान वरिष्ठ लिपिक अमित सिंह, एएनएम बीना दुबे, ममता, बीसीपीएम प्रकाश, सैम्पल ट्रांसपोर्टर अशोक गुप्ता, घनश्याम प्रसाद, नगीना यादव, गुरुदयाल, पवन आदि उपस्थित रहे।

पत्नी की बीमारी से परेशान युवक ने दी जान

गोंडा। के तरबगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। कटहा गांव के कडहरन पुरवा निवासी 28 वर्षीय मुकेश गुप्ता ने पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। मुकेश दिल्ली में मजदूरी करता था और एक सप्ताह पहले ही अपने गांव आया था। मुकेश की पत्नी पिछले दो महीने से बीमार चल रही थी। वह अपने मायके में रहकर इलाज करवा रही थी। तीन दिन पहले उसकी हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अयोध्या के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। पत्नी की बीमारी को लेकर मुकेश काफी परेशान था। वहीं सीओ उमेश्वर प्रभात सिंह ने बताया कि पति-पत्नी में कोई कहा-सुनी हुई थी। तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था रविवार रात करीब 10 बजे मुकेश ने तरबगंज-कटहा मार्ग पर कृषि फार्म के पास सड़क किनारे एक पेड़ पर रस्सी से फांसी लगा ली।

लखनऊ में होमगार्ड मुख्यालय के बाबू ने लगाई फर्जी ड्यूटी

लखनऊ। यूपी में बाबू ने डायल-112 में फर्जी ड्यूटी लगाकर तीन महीने की सैलरी हड़प ली। जानकारी होने पर सस्पेंड कराने की धमकी भी दिया। दरअसल, अतुल सिंह 2009 से होमगार्ड के पद पर तैनात हैं। 7 जून 2024 तक उनकी ड्यूटी डायल-112 में थी। अतुल का दावा है कि मां की तबीयत खराब होने पर एक साल तक ड्यूटी न लगाए जाने की मांग की। इसके लिए होमगार्ड जिला कमांडेंट को 10 जून 2024 को एप्लिकेशन भी लिखा। छुट्टी पर जाने के बाद बाबू ड्यूटी लगाता रहा। उसके खाते में तीन महीने की सैलरी डलवाया। बाद में गलती से सैलरी आने की बात कहकर पैसे ले लिया। कोरे कागज में कराया साइन तुल सिंह कहते हैं- हम मां का इलाज करा रहे थे। बाबू लक्ष्मी नारायण यादव का कॉल आया। उन्होंने कहा- आपके अकाउंट में गलती दूसरे लोगों की सैलरी चली गई है। इसे ऑफिस में आकर जमा कर दो। फिर घर के पास बुलाया। पैसा लिया और खाली कागज में साइन कराया। पूछने पर कहा- पैसा वापस मिलने की एप्लिकेशन लगा देंगे। अतुल बताते हैं कि संदेह होने पर विभाग में पता किया तो किसी ने सही जवाब नहीं दिया। मोबाइल पर होमगार्ड एप पर चेक करने पर मालूम हुआ कि तीन महीने से ड्यूटी लगाई जा रही है। जुलाई और अगस्त में डायल-112 में और सितंबर महीने में होमगार्ड मुख्यालय में एसएसओ के कोटे में ड्यूटी लगी थी। जबकि हमने कोई ड्यूटी नहीं की। अतुल का कहना है कि इसमें कई लोगों की मिलीभगत है। बिना ड्यूटी किए सैलरी अकाउंट में डालकर घोटाला किया गया है। अगर ड्यूटी की गई है तो डायल-112 में लगे सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से पूरे मामले की जांच की जाए। इसकी शिकायत कंपनी कमांडर अरुण रावत से भी की गई है। अरुण ने भी नौकरी से निकलवाने की धमकी देकर मुंह बंद रखने की हिदायत देकर भगा दिया है। मामले में लखनऊ जिला कमांडेंट अमरेश कुमार का कहना है कि डीजी होमगार्ड ने जांच के आदेश दिए हैं। फिलहाल होमगार्ड विभाग में छुट्टी का प्रावधान नहीं होता है। जितने दिन काम होता है, उतनी सैलरी मिलती है। अगर किसी कारणवश कोई काम नहीं करता है, तो लेटर देना होता है, जिसकी होमगार्ड कार्यालय से स्वीकृति दी जाती है। अतुल ने किसको एप्लिकेशन दी है, कब दी है, इसकी भी जांच हो रही है। अतुल से बैंक स्टेटमेंट व अन्य साक्ष्य मांगे गए हैं। प्रारंभिक जांच में कार्यालय में आने के हस्ताक्षर का मिलान किया गया है, जो अतुल के ही हैं। फिलहाल जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साक्ष्यों के साथ बुलाया, उपस्थित नहीं हुए होमगार्ड हेड क्वार्टर के जॉइंट कमांडेंट जनरल विवेक सिंह ने बताया कि अतुल सिंह की जांच मिली है। पत्र के माध्यम से सोमवार को साक्ष्यों के साथ बुलाया गया था, लेकिन उपस्थित नहीं हुए।

हमीरपुर की बिवांर पुलिस ने फरार चल रहे चार अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की बिवार पुलिस ने अपराधियों की धरपकड के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत मु0अ0सं0 24/2025धा 191(2)/191(3)/115(2)/352/351(3)/140(3)/133 बीएनएस के फरार चल रहे थाना क्षेत्र के ग्राम उमरी निवासी 65 वर्षीय अभियुक्त झल्ली पुत्र सुक्खा, जबकि 30 वर्षीय राकेश पुत्र शिवचरन, वहीं 42 वर्षीय बृजमोहन पुत्र शिवराज सहित 36 वर्षीय जितेन्द्र पुत्र राजाराम को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। जबकि अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई अंकित कुमार, एस आई विकास यादव सहित कांस्टेबल राजेश यादव शामिल रहे।

संपादकीय

किसान संगठनों की मांग

किसान संगठनों की मांग है कि किसान क्रेडिट की सीमा बढ़ाने के साथ ही किसानों पर बकाया कर्जों को अगर माफ कर दिया जाए तो किसान जहां ज्यादा खुशहाल होंगे। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती-किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी-रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार देश के 12 करोड़ किसान परिवार सीमांत हैं। इनमें करीब 35 प्रतिशत की जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, जबकि 69 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है। आंकड़ों के अनुसार देश के 82 प्रतिशत किसान छोटे या सीमांत हैं। जिनकी जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, उनकी खेती से सालाना आमदनी आठ हजार रूपए के आसपास है। जाहिर है कि देश के किसानों के बड़े हिस्से के पास बिक्री के लिए उपज ही नहीं होती। खेती के जरिए वे जो अन्न या सब्जी उपजाते हैं, उनका इस्तेमाल अपने खाने-पीने में ही करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का वादा किया था। उसके लिए जो कदम उठाए गए, उसी कड़ी में किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत भी थी। इसके फायदे हुए भी हैं। लेकिन जो लक्ष्य रखा गया था, उसे पाना अब भी कठिन चुनौती बना हुआ है। शिवराज सिंह चौहान का कहना ठीक है कि किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का फायदा किसानों को होगा। इसकी तस्दीक हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर हुए कृषि सर्वेक्षण से जुड़े घरेलू स्तर के आंकड़ों का आकलन भी बताता है। घरेलू स्तर के आंकड़ों के जरिए कृषि में उत्पादकता और उसके जोखिम के साथ ही कृषि ऋण के प्रभाव का आकलन भी किया गया था। इस आकलन के नतीजे बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर उचित कर्ज मिलता है तो उससे उसकी उत्पादकता में 24 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दिखने लगती है। इससे किसानों को होने वाले नुकसान का जोखिम 16 फीसद तक कम हो जाता है। महाजनी सभ्यता और अनौपचारिक कर्ज व्यवस्था के जोखिम और उससे उपजे खराब हालात से जूझते किसानों की दयनीय और मार्मिक कहानियों से भारतीय साहित्य भरा पड़ा है। हिंदी कथा सम्राट प्रेमचंद का मशहूर उपन्यास गोदान ऐसी ही कथाभूमि पर रचा गया गया है। उसे कृषक के दारूण जीवन की महागाथा कहा जाता ही है। बहरहाल यह अध्ययन मानता है कि किसानों को अगर औपचारिक क्षेत्र का ऋण मिलता है तो उसकी उपज और उसकी जिंदगी पर उस कर्ज का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जबकि अनौपचारिक यानी महाजनी कर्ज व्यवस्था का किसानों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। साफ है कि किसानों को अगर सही तरीके से औपचारिक कर्ज सही वक्त पर दीर्घकालिक अवधि के लिए मिले तो उसकी जिंदगी में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर दीर्घकालिक और औपचारिक कर्ज मिलता है तो उसकी खेती को जरूरतों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। इससे उसकी उत्पादकता बढ़ने की गुंजाइश बढ़ जाती है। किसान की उपज बढ़ जाती है, फसल तैयार भी हो जाती है, लेकिन उसे बेचने के लिए सही बाजार तक पहुंच के लिए रकम नहीं होती तो उसे अपनी फसल और उपज औने-पौने दामों में बेचनी पड़ती है। लेकिन अगर किसान को सही तरीके से औपचारिक कर्ज मिलता है तो उस पर तात्कालिक आर्थिक दबाव नहीं रहता और फसल के बाद के खर्चों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। अगर किसानों के पास कुछ पैसे रहते हैं तो उस पर घरेलू जरूरतों का दबाव नहीं झेलना पड़ता और उसे अपने घरेलू खर्चों को पूरा करने में जहां सहायता मिलती है, वहीं इसके लिए उसे अपनी उपज सेंतमेत में बेचने को मजबूर नहीं होना पड़ता। इस कर्ज से किसान अपने कृषि उपकरणों और दूसरी अवसंरचनाओं को आसानी से रखरखाव कर सकता है। अध्ययन बताते हैं कि समय बद्ध और सहूलियत भरे अधिक कर्ज के जरिए किसानों को पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन जैसे कृषि आधारित और सहयोगी कामों को आगे बढ़ाने में मदद होती है। इस पूरी प्रक्रिया का असर यह होता है कि किसान की आर्थिक सुरक्षा मजबूत हो जाती है। तब वह बाजार और अपने उपज की वाजिब कीमत का इंतजार भी कर सकता है। आर्थिक सहूलियत रहने से समय पर वह जरूरी खाद और दवाओं को खरीदकर उनका खेती में इस्तेमाल कर सकता है। इसके साथ ही वह दूसरे खर्चों का दबाव भी नहीं महसूस कर सकता है।

सोहना में सीएम सैनी ने बीजेपी उम्मीदवार के लिए मांगे वोट, कांग्रेस पर साधा निशाना, बताया- ट्विटर मास्टर

सोहना : हरियाणा में होने वाले निकाय चुनावों की बागडोर पूरी तरह से प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संभाली हुई है। पार्टी प्रत्यासियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश मुख्यमंत्री ने रविवार को जहां फरीदाबाद में पहुंच कर रोड शो किया और पार्टी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगें। वहीं, गुरुग्राम सहित मानेसर में रोड शो और सभाओं को संबोधित किया। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री सैनी रात करीब 10 बजे सोहना की अनाज मंडी पहुंचे, जहां पर उन्होंने नगर परिषद की बीजेपी उम्मीदवार की जन आशीर्वाद रैली को संबोधित किया और उन्हें वोट देने की अपील की। इस मौके पर प्रदेश मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ट्वीट मास्टरों की पार्टी है, जिनके नेता बंद कमरे में बैठकर ट्वीट करते रहते है। सीएम सैनी यही नहीं रुके, उन्होंने कांग्रेस पार्टी ने नेताओं को भ्रष्टाचार में लिप्त बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जिस तरह से दिल्ली में तीसरी बार जीरो पर आउट हुई है।

वहीं, हाल कांग्रेस पार्टी का हरियाणा में होने वाला है। बता दें कि इन दिनों हरियाणा में होने वाले निकाय चुनावों का चुनाव प्रचार-प्रसार जोर-शोर से चल रहा है। प्रदेश मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी उम्मीदवार के पास पहुंच कर ऐड़ी से चोटी का जोर लगा रहे है, ताकि कांग्रेस पार्टी के प्रत्यासियों का प्रदेश से सफाया किया जा सके, लेकिन देखना इस बात का होगा कि आने वाली 2 मार्च को प्रदेश वासी किस पार्टी के प्रत्यासी को अपना प्यार और आशीर्वाद देते है।

गुगल मेप के सहारे सोनीपत से जींद के लिए निकला शख्स, पहुंच गया ऐसी जगह...उड़े होश

हरियाणा : जब भी हम किसी नई जगह जा रहे होते हैं तो हम गूगल मैप की सहायता लेते हैं। हम गूगल मैप पर आंख बंद कर भरोसा कर लेते हैं कि हमें सही जगह पहुंचा देगा। रास्ता खोजने में आपको किसी को पूछने की जरूरत भी नहीं पड़ती है, परंतु कई बार ऐसी भी स्थिति आती है कि गूगल मैप लोगों को गलत रास्ता बता देता है। इस चक्कर में बहुत से लोग रास्ता भटक जाते हैं।

पिछले दिनों तो एक खबर आई थी, जिसमें एक कार गूगल मैप को फॉलो करते हुए निर्माणाधीन पुल से नीचे गिर गई थी। वहीं अब हरियाणा से एक खबर सामने आई है, जहां के लोगों को गूगल मैप का इस्तेमाल करना भारी पड़ रहा है। दरअसल हरियाणा में जींद-सोनीपत के बीच बने ग्रीनफील्ड हाईवे पर चढ़ने और उतरने के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है।करीब 2 महीने पहले शुरू हुए इस हाईवे के रास्ते गूगल मैप पर फिलहाल अपडेट नहीं हुए हैं। इस वजह से सोनीपत से जींद आते हुए, जिसे नेशनल हाईवे 152ऊ या दिल्ली-कटरा नेशनल हाईवे पर चढ़ना है या जींद-गोहाना के पुराने हाईवे पर उतरना है उसे गूगल मैप गलत लोकेशन दिखा रहा है। गूगल मैप में गोहाना से निकलने के बाद हाईवे से नीचे उतरने का रास्ता दिखाया गया है, जबकि हैरानी की बात यह है कि वहां नीचे उतरने के लिए कोई रास्ता ही नहीं बनाया गया है। इतना ही नहीं जींद से सोनीपत जाते समय अगर किसी को टोल बचाना है तो गूगल मैप उसे पुराने गोहाना हाईवे पर चढ़ा देता है, उस रास्ते पर 5 किलोमीटर चलने के बाद आगे रास्ता बंद मिलता है।

स्कूल में बच्चे से हटवाया टीका और कलावा, भड़के हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन

सोनीपत के गांव बागडू में स्कूल में पढ़ने वाले छात्र के हाथ से कलावा काटने और तिलक मिटाने का मामला सामने आया हैं। जिसके बाद हिंदू संगठनों ने सदर थाने में पहुंचकर रोष प्रदर्शन किया है। वहीं बच्चे के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते.

सोनीपत : सोनीपत के गांव बागडू में स्कूल में पढ़ने वाले छात्र के हाथ से कलावा काटने और तिलक मिटाने का मामला सामने आया हैं। जिसके बाद हिंदू संगठनों ने सदर थाने में पहुंचकर रोष प्रदर्शन किया है। वहीं बच्चे के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि स्कूल में छात्र के हाथ से कलावा काटकर और माथे से तिलक हटाने को कहा गया। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं।

जानकारी के अनुसार सोनीपत जिले के गांव बागडू स्थित होली क्रॉस स्कूल में छठी क्लास में पढ़ने वाले छात्र स्कूल में हाथ में कलावा बांधकर और माथे पर तिलक लगा कर आया था। परिजनों ने स्कूल पर आरोप लगाते हुए बताया कि बच्चे के स्कूल में पहुंचने पर उसके हाथ से कलवा काट दिया गया और माथे से तिलक मिटा दिया गया। स्कूल से वापस आकर छात्र ने यह सारी घटना अपने घर वालों को बताई। इसके बाद परिजनों ने सदर थाना पुलिस को मामले की शिकायत दी, जब मामले में कोई ठोस कारवाई नहीं हुई तो आज हिंदू संगठनों समेत सदर थाना में पहुंचकर रोष जताया और कहा कि मामले में ठोस कारवाई की जाए। वहीं परिजनों कहना है कि बच्चों के हाथ से कलवा काटकर और माथे से तिलक मिटाकर कहा गया कि इसके साथ कुत्ते जैसा व्यवहार किया जाए।

अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे परिवार के साथ हुए हादसे में बड़ी अपडेट, मृतकों की संख्या हुई

जींद : जींद में नेशनल हाईवे 152-डी पर हरिद्वार अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे परिवार की कार जामनी के पास पिकअप गाड़ी में घुस गई। इस हादसे में रविवार रात बुआ-भतीजे की मौत हो गई, जबकि परिवार के ही तीन लोग घायल हुए थे जिनमें से एक ने आज दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार राजस्थान के मकराना गांव निवासी रामकिशोर के पिता की कुछ दिन पहले मौत हो गई थी। अपने पिता की अस्थि विसर्जन के लिए रामकिशोर अपनी पत्नी 36 वर्षीय रूचि, बेटे सात वर्षीय शिवांश, बुआ 48 वर्षीय विद्या देवी और अंजू के साथ हरिद्वार के लिए निकले थे। करीब 10 बजे घर से चलने के बाद नारनौल के पास से रामकिशोर नेशनल हाईवे 152-डी पर चढ़ा। जींद की सीमा में जामनी के पास हाईवे पर टायर पंक्चर के कारण खड़ी पिकअप गाड़ी में उनकी कार पीछे से जा घुसी। इसमें पांचों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को जींद के सिविल अस्पताल पहुंचाया। वहां पर डाक्टरों ने रविवार को रामकिशोर और उसकी बुआ अंजू को मृत घोषित कर दिया जबकि तीन घायलों में एक ने भी आज दम तोड़ दिया।

कर्जा लेकर विदेश भेजा था बुढ़ापे का सहारा, अब कर्जा लेकर वापस मंगवाया शव

कुरुक्षेत्र : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले से ऐसी खबर सामने आई है जिसे पढ़कर आपका भी दिल रो पड़ेगा। जहां परिवार ने पहले कर्ज लेकर बेटे को कमाने के लिए पुर्तगाल भेजा और अब दोबारा 20 से 22 लाख रुपए का कर्ज लेकर उसकी डेडबॉडी मंगानी पड़ी। कुरुक्षेत्र के पिहोवा के रहने वाले संटी मेहरा का शव आज सुबह उसके घर पहुंचा। आज ही उसका अंतिम संस्कार होगा। संटी की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल बता दें कि संटी 8 साल से पुर्तगाल में रह रहा था। 21 जनवरी को परिवार से फोन पर बात करते हुए हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई। उसके 4 दिन बाद ही उसे भारत लौटना था। घर में संटी की शादी की बात चल रही थी। उसे घर आने के बाद लड़की देखने के लिए जाना था। घर में इकलौते कमाने वाले संटी की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। 24 जनवरी को भारत लौटने का था प्लान बंटी मेहरा ने बताया कि उसका छोटा भाई संटी पुर्तगाल गया था। उसे पुर्तगाल की नागरिकता मिल चुकी थी। कुछ समय में उसे रेड पासपोर्ट मिलने वाला था। पुर्तगाल जाने के बाद संटी एक बार भी घर नहीं आया। 24 जनवरी को उसका भारत लौटने का प्लान था। 21 जनवरी को वह परिवार के लोगों के लिए शॉपिंग करने ऑस्ट्रिया गया था। भाई ने बताया कि संटी फोन पर मां सोमा देवी, भाभी हर्षदीप कौर और भतीजी रहमतप्रीत कौर से बात कर रहा था।

बात करते-करते अचानक संटी के हाथ और पैर सुन्न हो गए। उसकी चीख निकली और फोन में आवाज आनी बंद हो गई। परिवार के लोगों ने उसके दोस्तों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने करीब 23 बार लगातार संटी को कॉल की, लेकिन किसी ने कॉल नहीं उठाई। उन्होंने मैसेज भी भेजे, लेकिन कोई रिप्लाई नहीं आया। परिवार ने संटी के दोस्तों को उसे देखने के लिए भेजा। घटना के 4 से 5 घंटे के बाद जब संटी के दोस्त कमरे पर पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं बंटी ने आगे बताया कि संटी का शव मंगाने के लिए उन्होंने डीसी ऑफिस से लेकर भाजपा के नेताओं तक गुहार लगाई, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की।

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले से ऐसी खबर सामने आई है जिसे पढ़कर आपका भी दिल रो पड़ेगा।

संक्षिप्त खबर

सब इंस्पेक्टर वीना बनीं महिला थाना प्रभारी, बोली- महिलाओं की सुरक्षा और न्याय दिलाना रहेगी प्राथमिकता

कैथल : जिले में महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत करने के उद्देश्य से एसपी राजेश कालिया ने सब इंस्पेक्टर वीना को महिला थाना प्रभारी नियुक्त किया है। उन्होंने बुधवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया और अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। सब इंस्पेक्टर वीना ने कहा कि महिलाओं से जुड़े अपराधों में त्वरित कार्रवाई और न्याय दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि महिला थाना में आने वाली हर शिकायत पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी महिला को न्याय के लिए भटकने नहीं दिया जाएगा। महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, छेड़छाड़ और साइबर अपराध जैसे मामलों पर विशेष नजर रखी जाएगी। नवनियुक्त थाना प्रभारी वीना ने एसपी राजेश कालिया का धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगी। उन्होंने कहा कि महिला थाना का उद्देश्य केवल अपराध दर्ज करना नहीं, बल्कि महिलाओं को न्याय दिलाना और उन्हें सुरक्षित माहौल प्रदान करना भी है। मेरा प्रयास रहेगा कि पीड़ित महिलाओं को बिना किसी देरी के न्याय मिले और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

महिला सुरक्षा को लेकर सख्त होंगी वीनाथाना प्रभारी वीना ने कहा कि शहर और ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाए जाएंगे। इसमें महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनों के बारे में जागरूक किया जाएगा, ताकि वे अपनी सुरक्षा के लिए खुद भी सतर्क रह सकें। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इनमें सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग कैंपः लड़कियों और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे। इसके साथ महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी जाएगी। छात्राओं को सुरक्षा और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी जाएगी, ताकि स्कूल और कॉलेज में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। इसके अलावा उन्होंने कहा कि महिला हेल्प डेस्क को और मजबूत किया जाएगा, ताकि हर पीड़ित महिला को तुरंत सहायता मिल सके। सब इंस्पेक्टर वीना के महिला थाना प्रभारी बनने पर क्षेत्र की महिलाओं में खुशी और उम्मीद का माहौल है। कई सामाजिक संगठनों ने उनका स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में महिला सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि महिला थाना को एक सशक्त और भरोसेमंद संस्थान के रूप में विकसित करने की जरूरत है, जिससे महिलाएं निडर होकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और उन्हें न्याय मिल सके। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सब इंस्पेक्टर वीना के नेतृत्व में महिला थाना किस तरह से बदलाव लाता है और महिलाओं की सुरक्षा के लिए कितनी प्रभावी भूमिका निभाता है।

संक्षिप्त समाचार

विजय माल्या ने गुणवत्ता के कारण ब्रिटेन में दिवालियापन आदेश रद्द करने की मांग की

लंदन, एजेंसी। कारोबारी विजय माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालियापन आदेश को रद्द कराने के लिए नई अपील दायर की है। उनका तर्क है कि भारतीय बैंकों ने अवास्तविक दावे पेश किए हैं, खासकर जब भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में ऋण वसूली को लेकर हाल ही में बयान दिया था। माल्या के वकील लेह क्रेस्टोहल ने बताया कि संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, बैंकों को पहले ही माल्या से संबंधित बकाया राशि से अधिक धन वापस मिल चुका है। इसी आधार पर उन्होंने दिवालियापन आदेश रद्द करने के लिए आवेदन किया है। यह मामला लंदन उच्च न्यायालय में चल रहा है, जहां न्यायाधीश एंथनी मान ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का एक समूह 69 वर्षीय माल्या से उनकी अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के करीब 1.05 बिलियन जीबीपी ऋण की वसूली की मांग कर रहा है। माल्या का कहना है कि नए साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत को दिवालियापन आदेश पर पुनर्विचार करना चाहिए। उनके वकीलों का कहना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्वयं भी वित्त मंत्री के संसद में दिए गए बयान को स्वीकार करेंगे। गौरतलब है कि विजय माल्या भारत में वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं और भारतीय एजेंसियां उन्हें प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इस मामले में अपनी राहत की मांग को लेकर टिप्पणी की थी।

हमास ने गाजा में छह बंधक रिहा किए, समझौते के अगले चरण के लिए रखी शर्त

गाजा पट्टी, एजेंसी। आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के बीच कतर में पिछले माह हुए संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई समझौते ने आज कई परिवारों के चेहरों में खुशी लौटा दी। हमास के नकाबपोश सशस्त्र लड़ाकों ने आज सुबह (स्थानीय समयानुसार) मध्य गाजा के नुसीरात में ओमर शेम टोव (22), एलिया कोहेन (27) और ओमर वेनकर्ट (23) को रेडक्रॉस के अधिकारियों को सौंप दिया। इसके अलावा हमास की कैद से आजाद हुए टाल शोहम (40) और एवेरा मेंगिस्टु (38) इजराइल पहुंच गए। गाजा सिटी में रिहा होने वाला छठा बंधक हिशाम अल-सईद (37) है। हमास ने समझौते के अगले चरण में बाकी बंधकों की रिहाई के लिए शर्त रखी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, एवेरा मेंगिस्टु और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को हवाई मार्ग से गाजा सीमा के पास एक इजराइली सैन्य अड्डे पर पहुंचाया गया। वहां से सभी को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से मध्य इजराइल के एक अस्पताल ले जाया गया। मेंगिस्टु को जांच के बाद घर भेजा जाएगा। शोहम और मेंगिस्टु को सुबह दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में रिहा किया गया। इन दोनों को सात अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज बेरी से अगवा किया गया था। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, रेडक्रॉस ने दोनों को उन्हें सौंप दिया। इसके अलावा चार बंधकों को नुसीरात में सौंपा गया। हमास ने शुक्रवार को कहा था कि उसे उम्मीद है कि इजराइल बदले में 602 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा करेगा। उनमें से 50 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और अन्य 60 लंबी सजा काट रहे हैं। 445 को सात अक्टूबर 2023 को गाजा में हिरासत में लिया गया था। सीएनएन की खबर के अनुसार, शोहम और मेंगिस्टु को सशस्त्र नकाबपोश आतंकवादियों ने मंच पर परेड और शोहम को भीड़ को संबोधित करने के लिए मजबूर किया। साथ ही एक अन्य बंधक शिरी बिबास के अवशेष शुक्रवार रात तेल अवीव पहुंचे। हमास ने आज संकेत दिया कि समझौते के अगले चरण में वह गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी के बदले में शेष सभी इजराइली बंधकों (जीवित और मृत) को सौंपने के लिए तैयार है।

बांग्लादेश में बीएनपी नेता की हत्या, दोनों आंखें निकालीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के धमराई उपजिला में कल दोपहर लगभग डेढ़ बजे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता मोहम्मद बाबुल मिया की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्यारों का इससे जी नहीं भरा तो उनकी दोनों आंखें निकाल लीं। हत्या की वजह व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता बताई जा रही है। द डेली स्टार के अनुसार, बीएनपी की कुल्ला यूनियन इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद बाबुल मिया को लाठी-डंडों से लैस कुछ लोगों ने धमराई उपजिला के गांव बोरो कुशियारा में पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। गम में डूबी पत्नी यास्मीन बेगम ने कहा कि उनके पति को बीएनपी की राजनीति करने के कारण कई बार जेल भी जाना पड़ा। कुछ समय से रियल एस्टेट (अक्षिरनगर हाउसिंग) बिजनेस को लेकर ग्रामीणों से विवाद चल रहा था। इस विवाद की वजह से अफसर, अरशद और मोनिर हम दोनों को कई दिनों से धमकी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वह और उनके पति अक्षिरनगर हाउसिंग के पास सरसों की कटाई कर रहे थे। अचानक अफसर, अरशद, मोनिर कुछ साथियों के साथ आ धमके। उन्होंने पति को घेरकर लाठियों और लोहे के रॉड से पीटना शुरू कर दिया। पति को लहूलुहान कर जाते-जाते उनकी दोनों आंखें भी निकाल लीं। इसके बाद बाबुल को सावर एनाम मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने दावा किया कि बाबुल का अफसर, अरशद और मोनिर के साथ एक तालाब के स्वामित्व को लेकर विवाद चल रहा था।

पूर्वी फ्रांस में चाकू से अटैक, 1 की मौत, इमैनुएल मैक्रों ने बताया- इस्लामी आतंकी हमला

पेरिस, एजेंसी। पूर्वी फ्रांस में शनिवार को चाकू से किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए. राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह 'इस्लामी आतंकवादी हमला' था. प्रोसेक्यूटर्स ने कहा कि हमले में तीन और अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गए. प्रोसेक्यूटर निकोलस हेइट्ज़ ने एएफपी को बताया कि यह हमला 37 वर्षीय संदिग्ध ने किया था, जो टेरर प्रीवेंशन वॉचलिस्ट (एफएसपीआरटी) में शामिल है. हमला फ्रांस के मुलहाउस शहर में हुआ है, जो जर्मनी और स्विट्जरलैंड के निकट स्थित है. संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है. फ्रांस की नेशनल एंटी टेरर प्रोसेक्यूटर्स यूनिट (पीएनएटी), जिसने जांच का जिम्मा संभाला है, ने कहा कि संदिग्ध ने पहले नगर निगम के पुलिस अधिकारियों पर हमला किया और अल्लाहु अकबर (ईश्वर सबसे महान है) चिल्लाया. चश्मदीदों ने एएफपी से बातचीत में कन्फर्म किया कि संदिग्ध ने कई बार ऐसे शब्द चिल्लाए, जो मुसलमानों द्वारा अपने धर्म के उद्घोष के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं. पीएनएटी ने एक बयान में कहा कि एक नागरिक राहगीर जिसने हमले को रोकने की कोशिश की, वह बुरी तरह से घायल हो गया. मुलहाउस प्रोसेक्यूटर्स के अनुसार, जख्मी शख्स 69 वर्षीय पुर्तगाली नागरिक था. मैक्रों ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह घटना एक आतंकवादी हमला थी, विशेष रूप से एक इस्लामवादी आतंकवादी

हमला÷. मैक्रों ने कहा कि सरकार ÷हमारी धरती पर आतंकवाद को मिटाने के लिए सब कुछ÷ करने के लिए मजबूती से खड़ी है. एफएसपीआरटी वॉचलिस्ट ÷आतंकवादी÷ कट्टरपंथ को रोकने के मकसद से व्यक्तियों पर विभिन्न अधिकारियों से डाटा जमा करती है। इसे 2015 में पत्रिका चार्ली हेब्दो के कार्यालयों और एक यहूदी सुपरमार्केट पर हुए घातक हमलों के बाद लॉन्च किया गया था. हेइट्ज़ ने कहा कि गंभीर रूप से घायल पुलिस अधिकारियों में से एक को कैरोटिड आर्टरी में चोट लगी है, जबकि दूसरे को छाती में. हमला करीब शाम 4 बजे (स्थानीय समय) हुआ. सैन्य इकाइयों को बैकअप के रूप में घटनास्थल पर भेजा गया और फोरेंसिक वैज्ञानिकों ने सबूतों की तलाश की कार्रवाई शुरू कर दी है. यूनियन सूत्रों के अनुसार अल्जीरिया में जन्मे संदिग्ध को न्यायिक निगरानी और घर में नजरबंद रखने के साथ ही फ्रांस से निकाल बाहर करने आदेश के तहत रखा गया है. मुलहाउस की मेयर मिशेल लुट्ज़ ने फेसबुक पर कहा, हमारे शहर में आतंक ने कब्जा कर लिया है. उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच एक आतंकवादी हमले के रूप में की जा रही है, लेकिन स्पष्ट रूप से अदालत द्वारा पहले इसकी पुष्टि की जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी होंगे मॉरीशस के स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि

पोर्ट लुइस। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने नेशनल असेंबली में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। वो मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि होंगे। यह हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। रामगुलाम की इस घोषणा पर नेशनल असेंबली के सदस्यों ने मेज थपथपाकर खुशी जताई। रामगुलाम ने शुक्रवार को कहा, ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना हमारे और देश के लिए वास्तव में गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बेहद व्यस्त कार्यक्रम, पेरिस और संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी हालिया यात्राओं के बावजूद हमें यह सम्मान दिया है। वह हमारे विशेष अतिथि के रूप में मॉरीशस आने के लिए सहमत हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि मॉरीशस को 12 मार्च, 1968 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता मिली थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 मार्च की यात्रा पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने कहा, ऐसे मौके पर प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना मॉरीशस के लिए एक सौभाग्य की बात है। पिछले साल मॉरीशस के 56वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुई थीं।

इटली पीएम मेलोनी ने वामपंथियों को जमकर कोसा

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को वामपंथियों की उनके दोहरे मानदंडों के लिए आलोचना की। मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं का भी जिक्र किया। वाशिंगटन में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बोलते हुए इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की जमकर तारीफ की। उन्होंने वामपंथी राजनेताओं की आलोचना भी की। जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि कि वामपंथी लगातार निराश होते जा रहे हैं और ट्रंप की जीत के बाद उनकी हताशा उन्माद में बदल गई है। उन्होंने कहा, ÷वामपंथी घबराए हुए हैं और ट्रंप की जीत के साथ, उनकी चिड़चिड़ाहट उन्माद में बदल गई है। न केवल इसलिए क्योंकि रूढ़िवादी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि रूढ़िवादी अब वैश्विक स्तर पर सहयोग कर रहे हैं।÷ मेलोनी ने कहा, ÷जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी लिबरल नेटवर्क बनाया, तो उन्हें राजनेता कहा गया। आज जब ट्रंप, मैलोनी, मिल्ले या शायद मोदी बोलते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह आखिरी दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। अच्छी खबर यह है कि लोग अब उनके झूठ पर विश्वास नहीं करते, चाहे वे हम पर कितना भी कीचड़ उछालें। नागरिक हमारे लिए वोट करते रहते हैं।÷ सीपीएसी में मेलोनी की भागीदारी इटली के विपक्षी नेताओं की ओर से काफी आलोचना के बीच हुई। वहां के विपक्षी नेताओं ने उनसे अपनी उपस्थिति रद्द करने का आह्वान किया। ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन के विवादास्पद भाषण के बाद विपक्षी नेता उन्हें अपना दौरा रद्द करने के लिए कह रहे थे। स्टीव बैनन अपने संबोधन के दौरान नाजी शैली की सलामी देते हुए दिखाई दिए।

अमेरिकी कोर्ट ने हादी मतार को लेखक रुश्दी पर हमले का दोषी ठहराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिमी न्यूयॉर्क स्थित चौटाउक्वा काउंटी कोर्ट ने भारतीय-ब्रिटिश लेखक सलमान रुश्दी पर तीन साल पहले चाकू से हमला करने के आरोपित 27 वर्षीय हादी मतार को दोषी करार दिया। रुश्दी पिछले सप्ताह शुरू हुई गवाही प्रक्रिया के दौरान मुख्य गवाह रहे। रुश्दी ने जूरी के सदस्यों को अपनी दाहिनी आंख भी दिखाई जिसकी रोशनी हमले के कारण चली गई है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, जूरी ने हादी मतार को उस व्यक्ति पर भी हमला करने का दोषी पाया जो उस समय रुश्दी के साथ मंच पर था।

सलमान रुश्दी पर हमले का वाकया 12 अगस्त, 2022 का है। आरोपित ने मंच पर चढ़कर रुश्दी पर 15 बार चाकू से वार किया। इस हमले में 77 वर्षीय लेखक के एक आंख की रोशनी चली गई। जज ने सजा के लिए 23 अप्रैल की तारीख तय की है। मतार को 32 साल तक की जेल हो सकती है। जिला अटॉर्नी जेसन शिमट ने शुक्रवार को जिरह के दौरान जूरी को हमले का वीडियो दिखाया। इसमें हमलावर मंच पर चढ़कर रुश्दी की ओर दौड़ता दिख रहा है। बुकर पुरस्कार विजेता रुश्दी ने जूरी सदस्यों को बताया कि हमलावर उन पर तब तक चाकू से वार करता रहा जब तक कि आसपास खड़े लोगों ने उसे दबोच नहीं लिया। शिमट ने जूरी सदस्यों को एक ट्रॉमा सर्जन की गवाही की याद दिलाई, जिसने कहा था कि रुश्दी की चोटें त्वरित उपचार के बिना घातक हो सकती थीं।

इजराइल ने बंधकों को "अपमानजनक" तरीके से सौंपे जाने का हवाला देकर फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकी

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने कहा है कि सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई तब तक नहीं की जाएगी ''जब तक कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए और लोगों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती तथा बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपना'' बंद नहीं किया जाता।

देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने यह बयान रविवार को उस समय दिया जब कैदियों को ले जा रहे वाहन 'ऑफर जेल' के मुख्य द्वार से बाहर निकलने के बाद अंदर लौट गए। हमास ने छह इजराइली बंधकों को शनिवार को रिहा कर दिया था। इसके तुरंत बाद 620 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाना था लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। शनिवार को रिहा किए गए छह बंधकों में से पांच को नकाबपोश सशस्त्र चरमपंथी, भीड़ के सामने मंच पर लाए जिसके बाद उन्हें रिहा किया गया। बंधकों को सौंपे जाने के इस तरीके की संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने निंदा की है। हमास ने जीवित बचे संभवत: अंतिम छह बंधकों को युद्ध विराम के प्रथम चरण के तहत रिहा कर दिया है। कैदियों की रिहाई में देरी की इजराइल की घोषणा ने युद्धविराम समझौते के भविष्य को लेकर अचानक और संदेह पैदा कर दिया है। हमास द्वारा छोड़े गए छह बंधकों में से तीन इजराइली पुरुष हैं, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से उस समय कैद किया गया था, जब सात

अक्टूबर 2023 को हमास के चरमपंथियों ने हमला किया था। इस हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। बंधकों में से दो को हमास ने लगभग एक दशक तक बंधक रखा। वे दोनों अकेले ही गाजा में घुसे थे। पांचों को मंच पर लाया गया और इसके बाद बचावकर्ताओं को सौंपा गया। इस तरीके को 'रेड क्रॉस' और इजराइल ने क्रूर और अपमानजनक बताते हुए इसकी निंदा की है। ओमर वेंकर्ट, ओमर शेम टोव और एलिया कोहेन को हमास के लड़ाकों के साथ खड़ा किया गया। दबाव में दिख रहे शेम टोव ने दो चरमपंथियों के माथे को चूमा और भीड़ को चुंबन दिया। उन्होंने सेना की नकली वर्दी पहन रखी थी, जबकि वे सेना के जवान नहीं हैं।

एफबीआई के नौवें निदेशक काश पटेल ने भगवद्गीता पर हाथ रखकर ली शपथ

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) की कमान काश पटेल ने संभाल ली। व्हाइट हाउस में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने काश पटेल को एफबीआई के नौवें निदेशक के रूप में शपथ दिलाई। उन्होंने भगवद्गीता पर हाथ रखकर शपथ ग्रहण की।

एफबीआई फेसबुक पेज के अनुसार, एफबीआई निदेशक के रूप में अपने पहले आधिकारिक दिन काश पटेल ने वॉल ऑफ ऑनर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस वॉल पर एफबीआई के बहादुर सदस्यों का वर्णन है। उनका यहां जाना न्याय के प्रति उनके साहस और समर्पण की विरासत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

शपथ समारोह में काश पटेल ने कहा, ÷जो कोई सोचता है कि अमेरिकी सपना मर चुका है, वह यहीं देख ले। आप पहली पीढ़ी के भारतीय बच्चे से बात कर रहे हैं जो भगवान की धरती पर सबसे महान देश में कानून प्रवर्तन समुदाय का नेतृत्व करने वाला है।÷ महत्वपूर्ण यह है कि काश पटेल

की जड़ें भारत के गुजरात में वडोदरा से भी जुड़ी हैं। 25 फरवरी, 1980 को न्यूयॉर्क में पूर्वी अफ्रीका से आए भारतीय अप्रवासी माता-पिता के घर जन्मे काश ने रिचमंड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट करने के बाद यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से अंतरराष्ट्रीय कानून में सर्टिफिकेट के साथ कानून की डिग्री हासिल की है। काश ने सार्वजनिक वकील के रूप में अपना प्रोफेशनल करियर शुरू किया। मियामी की अदालतों में लगभग नौ साल तक कड़ी मेहनत की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2014 के पहले कार्यकाल में काश पटेल रक्षा और खुफिया एजेंसियों में विभिन्न उच्च पदों पर कार्य कर चुके हैं। काश को ट्रंप का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है।

इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने ताजा अलर्ट में कर्मचारियों से सार्वजनिक परिवहन से बचने को कहा

यरूशलम, एजेंसी। इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी कर अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों से दो सप्ताह तक देशभर में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने से बचने का आग्रह किया है। अमेरिकी मिशन ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक बसों में 20 फरवरी को हुए विस्फोटों के बाद और अधिक सावधानी बरतते हुए अमेरिकी दूतावास अस्थायी रूप से अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को 14 दिनों के लिए इजराइल में सार्वजनिक बसों और लाइट रेल का उपयोग करने से रोका है। बयान में आगे कहा गया कि अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों को सावधानी बरतने और व्यक्तिगत सुरक्षा जागरुकता बढ़ाने की निरंतर आवश्यकता की याद दिलाता है क्योंकि हमले अक्सर बिना किसी चेतावनी के होते हैं। सुरक्षा वातावरण जटिल है और जल्दी से बदल सकता है।ऐसे में चेतावनी अधिसूचना पर जोर दिया गया है। अमेरिकी मिशन ने अपने नागरिकों से इजराइल में अपनी गतिविधियों की योजना बनाते समय अलर्ट को

ध्यान में रखने को कहा है। दूतावास सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करना जारी रखेगा और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त जानकारी प्रदान करेगा। बतादें कि गुरुवार को तेल अवीव के दक्षिण में स्थित बैट याम और होलोन शहरों में खड़ी बसों में तीन विस्फोट हुए। हालांकि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों ने इसे एक संगठित रणनीतिक हमला करार दिया है। जांच के दौरान कम से कम पांच विस्फोटक उपकरण बरामद किए गए, जिनमें टाइमर सेट किए गए थे।

एचआरसीपी ने पाकिस्तान सरकार से श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा मजबूत करने का आग्रह किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सरकार से संविधान के अनुच्छेद 38 के तहत कमजोर और कम वेतनभोगी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपील की है। इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों को बुढ़ापे, बेरोजगारी, बीमारी, चोट, प्रसव और मातृत्व से जुड़ी आर्थिक असुरक्षा से बचाना है। एचआरसीपी द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, एक कार्यक्रम में पाकिस्तान वर्कर्स यूनाइटेड फेडरेशन के चौधरी शौकत ने नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को आधिकारिक नियुक्ति पत्र देने और उन्हें ईओबीआई (इम्प्लॉई ओल्ड-एज बेनिफिट्स इंस्टिट्यूशन) के तहत पंजीकृत कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्रमिकों के अधिकारों पर चिंताएं : खैबर पख्तूनख्वा कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने न्यूनतम वेतन लागू करने में आ रही बाधाओं पर चिंता व्यक्त की। पंजाब कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के निदेशक मलिक फारुख मुमताज ने सुझाव दिया कि ईओबीआई और अन्य सामाजिक सुरक्षा निकायों को श्रमिकों की परिभाषा को समान रूप से लागू करना चाहिए, चाहे उनका वेतन कितना भी हो। राष्ट्रीय श्रम संघ के महासचिव उमर हयात ने बताया कि बलूचिस्तान में कई कोयला खनिक ईओबीआई लाभों और उनके अधिकारों से अनजान हैं।

सुधारों की आवश्यकता पर बल : आईएलओ (अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन) के शासी निकाय के सदस्य जहूर अवान ने बताया कि वर्तमान प्रणाली के तहत केवल पांच या अधिक कर्मचारियों वाले संगठन ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए पात्र हैं, जिससे छोटे व्यवसाय इससे बाहर रह जाते हैं।

पीआईएलईआर के प्रतिनिधि मकसूद अहमद ने श्रमिकों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए त्रिपक्षीय सम्मेलन आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एचआरसीपी की सिफारिशें : एनआईआरसी के सदस्य मिस्बाह उल्लाह खान ने वर्षों की सेवा के बावजूद स्थायी दर्जा न मिलने वाले श्रमिकों की कठिनाइयों को उजागर किया। एचआरसीपी परिषद के सदस्य फरहतुल्लाह बाबर ने कहा कि अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की उपेक्षा सरकार की बड़ी चूक है और अनुच्छेद 38 को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

गोलमेज सम्मेलन का समापन : एचआरसीपी की उपाध्यक्ष नसरीन अजहर ने निष्कर्ष में कहा कि पूंजीवादी उत्पादन प्रणाली ने श्रमिकों के शोषण को और गहरा कर दिया है, जिससे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

पेंटागन में उथल-पुथल के बीच ट्रंप ने सेना के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन को बर्खास्त किया : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने पेंटागन में हफ्तों की उथल-पुथल के बीच शुक्रवार को सेना के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन जूनियर को बर्खास्त कर दिया। यही पहली बार हुआ है कि प्रशासन बदलने पर देश के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को इस तरह बाहर किया गया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, परंपरागत रूप से प्रशासन बदलने पर भी देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी की भूमिका से छेड़छाड़ नहीं की जाती। जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन जूनियर चार सितारा लड़ाकू पायलट हैं। वह यह पद संभालने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी थे। उनकी जगह सेवानिवृत्त तीन सितारा वायु सेना जनरल डैन केन को लिया जाएगा।

घरेलू हवाई यात्री यातायात में साल-दर-साल 14.5 प्रतिशत की वृद्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार भारत में घरेलू हवाई यात्री यातायात ने जनवरी 2025 में अपनी वृद्धि की गति बनाए रखी। जनवरी में करीब 150.3 लाख यात्रियों ने घरेलू उड़ानों का सफर किया जो दिसंबर 2024 की तुलना में 0.7 प्रतिशत अधिक और जनवरी 2024 की तुलना में 14.5 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा जनवरी 2020 के पूर्व-कोविड स्तर से भी 17.9 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2025 के पहले 10 महीनों में वृद्धि – 2025 के पहले 10 महीने (अप्रैल 2024 से जनवरी 2025) में घरेलू हवाई यातायात की कुल संख्या 1,372.1 लाख रही। यह 7.5 प्रतिशत की वृद्धि और वित्तीय वर्ष 2020 की समान अवधि की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। भारतीय एयरलाइंस के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात में भी मजबूत वृद्धि देखी गई। वित्तीय वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में अंतरराष्ट्रीय यातायात 248.9 लाख यात्रियों तक पहुंच गया जो 14.5 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि और कोविड-पूर्व स्तर से 41.7 प्रतिशत अधिक है।

एयरलाइन्स की क्षमता तैनाती – रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जनवरी 2024 की तुलना में जनवरी 2025 में एयरलाइन्स ने अपनी क्षमता तैनाती में 10.8 प्रतिशत का विस्तार किया। हालांकि दिसंबर 2024 की तुलना में क्षमता में 1.2 प्रतिशत की कमी आई।

यात्री भार कारक

घरेलू विमानन क्षेत्र ने जनवरी 2025 में 92.1 प्रतिशत का यात्री भार कारक हासिल किया जो जनवरी 2024 में 89.2 प्रतिशत और जनवरी 2020 में 85 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि जनवरी में विमानों में अधिक सीटें भरी गई जिससे एयरलाइन्स को अधिक मुनाफा हुआ।

ईंधन की लागत में राहत

ईंधन की लागत जो एयरलाइनों के ऑपरेशनल खर्च का एक बड़ा हिस्सा है वित्तीय वर्ष के दौरान कुछ राहत देखी गई। एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतें अप्रैल से जुलाई 2024 तक 5.3 प्रतिशत अधिक रही लेकिन अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक इसमें 14.7 प्रतिशत की गिरावट आई। रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक एटीएफ की कीमतें पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.1 प्रतिशत कम थीं। वहीं भारत का घरेलू विमानन क्षेत्र अब कोविड-पूर्व के स्तर से भी आगे बढ़ चुका है और वृद्धि के रास्ते पर है। एयरलाइन्स ने अपनी क्षमता में भी बढ़ोतरी की है और यात्रियों की संख्या भी बढ़ी है। ईंधन की कीमतों में राहत मिलने से एयरलाइन्स को भी फायदा हो रहा है।

आध्यात्मिक पर्यटन का नया युग शुरू, लेकर आया नया बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। महाकुंभ मेला 2025 भारत के आध्यात्मिक पर्यटन में एक नया बदलाव लेकर आया है। यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक परंपराओं का भव्य उत्सव है। महाकुंभ के आयोजन ने न केवल लाखों तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित किया बल्कि इसने आध्यात्मिक पर्यटन के क्षेत्र को भी एक नई दिशा दी है।

महाकुंभ मेला- आध्यात्मिक पर्यटन का गेम-चेंजर – वीआईटीएस कामट्स ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विक्रम कामत ने महाकुंभ को आध्यात्मिक पर्यटन में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा है। उन्होंने कहा, पहले आध्यात्मिक पर्यटन बुजुर्गों तक सीमित था लेकिन 2025 के महाकुंभ ने युवा पीढ़ी को भी आकर्षित किया है। अब वे भारत की आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ने के लिए इस आयोजन में भाग ले रहे हैं।

बेहतर बुनियादी ढांचा और डिजिटल सुविधा – महाकुंभ मेला अब पहले से कहीं अधिक समावेशी हो गया है। बेहतर कनेक्टिविटी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, लाइव-स्ट्रीमिंग और मोबाइल बुकिंग सुविधाओं ने इस आयोजन को दुनिया भर के यात्रियों के लिए आसान बना दिया है। हरीश खत्री ने इसे एक संरचित और तकनीकी रूप से सक्षम अनुभव बताया है जो विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए आकर्षक है।

आध्यात्मिक पर्यटन का विस्तार

महाकुंभ अब केवल भारत में नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बन गया है। यह भारत को आध्यात्मिक पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने में मदद कर रहा है। इसके माध्यम से भारत की आध्यात्मिक परंपराएं अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक पहचान बना रही हैं।

विदेशी यात्रा में वृद्धि

भारत में बढ़ते आध्यात्मिक पर्यटन के साथ भारतीय भी अब विदेशों में आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करने के लिए यात्रा कर रहे हैं। श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल, और जापान जैसे देशों में भारतीय पर्यटकों की संख्या बढ़ी है जो अपनी धार्मिक यात्रा पर जाते हैं। श्रीलंका में रामायण ट्रेल पर भारतीय पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है जबकि बौद्ध स्थल जैसे लुंबिनी भी भारतीयों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

आध्यात्मिक पर्यटन का भविष्य

आध्यात्मिक पर्यटन सिर्फ धार्मिक स्थलों की यात्रा नहीं बल्कि जीवन के परिवर्तन के बारे में है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पर्यटन का एक नया दौर शुरू हो चुका है जहां लोग आध्यात्मिकता को आधुनिक जीवनशैली के साथ जोड़कर गहरे अनुभव की तलाश कर रहे हैं। वहीं कहा जा सकता है कि महाकुंभ मेला 2025 ने आध्यात्मिक पर्यटन को एक नई दिशा दी है और यह साबित कर दिया है कि भारतीय आध्यात्मिकता का प्रभाव सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है बल्कि यह विश्वभर में फैल चुका है।

महाकुंभ का वैश्विक प्रभाव

महाकुंभ का असर सिर्फ आध्यात्मिक ही नहीं बल्कि आर्थिक और वैश्विक भी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस आयोजन के लिए 7,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है जिससे न केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण हुआ बल्कि हजारों नौकरियां भी उत्पन्न हुई हैं। महाकुंभ से लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष राजस्व मिलने की उम्मीद है जो उत्तर प्रदेश की जीडीपी में एक महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सेट-टॉप बॉक्स यूजर्स के लिए बड़ी राहत, सर्विस बदलने पर अब नहीं करना होगा....

नईदिल्ली, एजेंसी। देशभर के सेट-टॉप बॉक्स उपयोगकर्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब उन्हें सर्विस प्रोवाइडर बदलने पर नया सेट-टॉप बॉक्स खरीदने की जरूरत नहीं होगी। पहले टाटा स्काई से एयरटेल या किसी अन्य सेवा प्रदाता में शिफ्ट होने पर ग्राहकों को अपना सेट-टॉप बॉक्स भी बदलना पड़ता था लेकिन अब इस झंझट से छुटकारा मिल गया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने विभिन्न प्रसारकों के बीच एक ही सेट-टॉप बॉक्स के इस्तेमाल और बुनियादी ढांचे को साझा करने की सिफारिश की है। इसके अलावा ट्राई ने आईपीटीवी सेवा प्रदाताओं के लिए न्यूनतम कुल संपत्ति की आवश्यकताओं को भी कम करने की बात कही है। इस फैसले से उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा मिलेगी और अतिरिक्त खर्च से भी बचा जा सकेगा।

इलेक्ट्रॉनिक कचरे कम करने की कवायद

सिफारिशों में उपभोक्ता के लिए टेलीविजन चैनल वितरण सेवाओं के विकल्प बढ़ाने और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कम करने के लिए विभिन्न सेवाप्रदाताओं के लिए एक ही सेट-टॉप बॉक्स के इस्तेमाल की बात कही गई है। इसके साथ ही ट्राई ने इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए आईपीटीवी सर्विस देने की न्यूनतम नेटवर्थ 100 करोड़ रुपए की शर्त को हटाने की भी सिफारिश की है। साथ ही रेडियो ब्रॉडकास्टिंग सेवाओं को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाने पर जोर दिया है।

सदर मंजिल हैरिटेज के साथ एटमॉस्फियर कोर ने भारत में भव्य शुरुआत की

भोपाल। एक प्रतिष्ठित ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी कंपनी, एटमॉस्फियर कोर ने 22 फरवरी, 2025 को अपने पहले कपल्स-ओनली रिजॉर्ट, सदर मंजिल हैरिटेज बाय एटमॉस्फियर भोपाल की शुरुआत के साथ भारत में प्रवेश किया है। सदर मंजिल का उद्घाटन शनिवार 22 फरवरी 2025 को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया गया। इसके साथ ही मेहमानों के लिए इस होटल की आधिकारिक शुरुआत जल्द ही की जाएगी। ऐतिहासिक भोपाल और जीवंत नए भोपाल के बीच महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित सदर मंजिल हैरिटेज में इतिहास का अतुलनीय अनुभव प्राप्त होगा। 19वीं सदी में बेगमों और नवाबों की सभा के लिए इस्तेमाल होने वाले इस ग्रांड हॉल एवं आवास को रिस्टोर करके कपल्स के लिए एक लग्जुरियस रिट्रीट बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, सदर मंजिल हैरिटेज बाय एटमॉस्फियर भोपाल विरासत इस शहर और पूरे मध्य प्रदेश राज्य की समृद्ध पहचान और गौरव का प्रमाण है। 126 साल के इतिहास और विरासत को फिर से जीवंत करके, आइए हम सभी अपने अतीत की इस शानदार याद को गले लगाएं और जश्न मनाएं। अक्षत जैन, सीईओ आरडीबी भोपाल हॉस्पिटैलिटी प्राईवेट लिमिटेड ने कहा, फ्भारत में अवार्ड-विनिंग एटमॉस्फियर होटल्स एंड रिजॉर्ट्स ब्रांड लाने का यह उपयुक्त समय है। मालदीव के इनोवेटिव हॉस्पिटैलिटी कॉन्सेप्ट्स और स्थानीय विरासत का यह मिलन सदर मंजिल में एक बेजोड़ और नया अनुभव पेश करता है। भारत में बुटीक लग्जरी के इस नए अनुभव के बारे में श्री विनोद यदुवंशी, डायरेक्टर, आरडीबी भोपाल हॉस्पिटैलिटी प्राईवेट लिमिटेड ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि सदर मंजिल का ऐतिहासिक वैभव उन सैलानियों को बहुत पसंद आएगा, जो रोमांस, अंतर्राष्ट्रीय लग्जरी, और बीते हुए समय की सुंदरता का अनुभव लेना चाहते हैं।'' इस प्रॉपर्टी में एंटीक फर्नीचर के साथ 22 आकर्षक विंटेज रूम्स और सुइट्स हैं, जो शानदार टुर्कोइज और क्रीम कलर्स में फिनिश किए गए हैं। यहाँ हर स्टे की शुरुआत एक नफीस वैलकम से होती है। सबसे पहले एयरपोर्ट पर पारंपरिक रूप से अभिवादन किया जाता है, उसके बाद श्वाफर सिटी ड्राईव कराता है, और मैंशन के गेट पर गुलाब की पंखुड़ियों से मेहमानों का स्वागत किया जाता है। अब यह बेगम के खुशनुमा प्लान के साथ भारत के लिए अनुकूलित किया गया है। इसमें स्टे की अवधि के आधार पर लग्जुरियस एकोमोडेशन, एयरपोर्ट से आवागमन, शाकाहारी ब्रेकफास्ट और डिनर, अनलिमिटेड प्रीमियम स्पिरिट्स एवं वाईन, हाई-टी, लाईव म्यूजिक एवं डांस, शैम्पेन टूर, और स्पा ट्रीटमेंट शामिल हैं।

जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल को एआईएमए मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स में मिला बिजनेस लीडर ऑफ डिकेड का पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल को 15वें एआईएमए मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स में प्रतिष्ठित बिजनेस लीडर ऑफ डिकेड सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान जेएसडब्ल्यू ग्रुप को एक वैश्विक समूह में विस्तारित करने में उनके परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए दिया गया है।

श्री जिंदल को यह पुरस्कार आज यहां आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और विशिष्ट अतिथि श्री जितिन प्रसाद, वाणिज्य एवं उद्योग; इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री की उपस्थिति में प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र केपीएमजी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री येजदी नागपुरेवाला ने पढ़ा। श्री जिंदल के नेतृत्व में, जेएसडब्ल्यू समूह ने उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है, जिससे उसका राजस्व दोगुना से भी अधिक होकर 24 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। उनकी रणनीतिक दृष्टि के कारण जेएसडब्ल्यू ने अपनी वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता को लगभग तीन गुना बढ़ाकर 39 मिलियन टन कर लिया है, साथ ही समूह को अक्षय ऊर्जा और सीमेंट निर्माण में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

यह पुरस्कार भारत के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की पहल के साथ जेएसडब्ल्यू समूह को जोड़ने में श्री जिंदल की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। उनके नेतृत्व में, जेएसडब्ल्यू भारत के बंदरगाह क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी निजी कंपनी के रूप में उभरी है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों और सैन्य ड्रोन सहित भविष्य-केंद्रित क्षेत्रों में भी कदम रख रही है। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स भारत के व्यापार परिदृश्य में उत्कृष्ट योगदान का जश्न मनाता है। इस समारोह में प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेता, उद्योग जगत के नेता और एआईएमए के पदाधिकारी इस ऐतिहासिक 15वें संस्करण के लिए एक साथ आए।

भारतीय स्टील कंपनियों पर चीनी स्टील का दबाव

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन से सस्ते स्टील के बढ़ते आयात के कारण भारतीय स्टील कंपनियों को भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार जल्द ही चीन से आने वाले सस्ते स्टील पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने पर विचार कर रही है। टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टीवी नरेंद्रन ने बताया कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और इंडस्ट्री के अनुरोध पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। टीवी नरेंद्रन ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी स्टील का बढ़ता आयात कंपनियों को नुकसान पहुंचा रहा है। इसके अलावा, अमेरिका में स्टील आयात पर संभावित टैरिफ वृद्धि से हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टील एसोसिएशन ने पहले ही डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडी को आवेदन दिया है, जिस पर विचार किया जा रहा है। नरेंद्रन ने यह भी कहा कि भारत स्टील उत्पादन के लिए दुनिया की सबसे अच्छी जगहों में से एक है, क्योंकि यहां आधुनिक स्टील प्लांट और लौह अयस्क का बड़ा भंडार मौजूद है। लेकिन चीनी कंपनियां कम कीमतों पर स्टील बेचकर भारतीय उद्योग को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि चीनी स्टील इंडस्ट्री घाटे में है और वहां की सरकारी कंपनियां नुकसान झेल रही हैं, जबकि भारत में स्टील इंडस्ट्री का संचालन निजी कंपनियों द्वारा किया जाता है। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति आयात पर शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव को लागू करते हैं, तो इससे टाटा स्टील को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान होगा। कंपनी अपनी मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं से अमेरिकी बाजार में भी स्टील निर्यात करती है, जो नए टैरिफ से प्रभावित होगा।

टाटा एआईए लाइफ का नया मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स पेंशन फंड

- आपके लिए रिटायरमेंट वेल्थ को बढ़ाने का एक स्मार्ट तरीका
- सुरक्षित और समृद्ध रिटायरमेंट की योजना बनाने वालों के लिए एक अनूठा अवसर

मुंबई एजेंसी। लोगों में वित्तीय जागरूकता बढ़ रही है और डिजिटल पहुंच निवेश को सरल बना रही है, साथ ही नए, लचीले और विकास को बढ़ावा देने वाले रिटायरमेंट समाधानों की ज़रूरत बढ़ती जा रही है। पारंपरिक बचत साधन, सुरक्षित हैं, लेकिन आधुनिक निवेशकों की गतिशील ज़रूरतों को पूरा करने में अक्सर असफल हो जाते हैं। यहीं पर अगली पीढ़ी के वित्तीय उत्पाद, जैसे कि टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) का नया एनएफओ, मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स पेंशन फंड काम आता है। लोगों को बाजार से जुड़े, स्मार्ट समाधानों के साथ सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो उन्हें अपने वित्तीय भविष्य पर नियंत्रण रखते हुए एक मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस बनाने में मदद करते हैं।

रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब सिर्फ बचत करना नहीं है, बल्कि जोखिमों का प्रबंधन करते हुए अपनी संपत्ति बढ़ाना भी रिटायरमेंट प्लानिंग में शामिल होना चाहिए। टाटा एआईए का नया फंड क्वांट-आधारित निवेश रणनीति के जरिए पोर्टफोलियो स्थिरता सुनिश्चित करते हुए बाजार विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए बनाया गया है। इस फंड में निवेश करके, पॉलिसीधारक निम्नलिखित लाभ उठा सकते हैं-

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, टाटा एआईए के मुख्य निवेश अधिकारी श्री हर्षद पाटील ने कहा- आज रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए एक बेहतर, अधिक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स पेंशन फंड उन निवेशकों के लिए बनाया गया है जो अपना भविष्य सुरक्षित करते हुए भारत की आर्थिक वृद्धि से लाभ उठाना चाहते हैं। गति और गुणवत्तापूर्ण निवेश को मिलाकर, हमारा लक्ष्य जोखिम को बेहतर समायोजित करते हुए रिटर्न प्रदान करना है, जिससे हमारे पॉलिसीधारकों को अपने सेवानिवृत्ति के वर्षों में वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिल सके। भारत की अर्थव्यवस्था के दीर्घकालिक विस्तार के लिए तैयार होने के साथ, यह फंड पॉलिसीधारकों को अपने सेवानिवृत्ति लक्ष्यों को सुरक्षित करते हुए देश की विकास कहानी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।

शेयर बाजार इस हफ्ते वापसी करने में रहेगा सफल

नई दिल्ली एजेंसी। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और शुल्क से संबंधित खबरों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बुधवार को 'महाशिवरात्रि' के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे।

क्या सोच रहे हैं एक्सपर्ट्स – मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के रिसर्च हेड, संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा, इस सप्ताह बाजार की दिशा मिले-जुले वैश्विक बाजार रुख, अमेरिका की व्यापार नीति की घोषणाओं और रूस-यूक्रेन युद्ध से संबंधित भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, निवेशकों की निगाह आगामी महत्वपूर्ण संकेतकों मसलन अमेरिका के मुख्य पीसीई मूल्य सूचकांक और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के आंकड़ों पर रहेगी।

पंकज त्रिपाठी जियो-बीपी के नए इंटरनेशनल फ्यूल फॉर इंडिया अभियान का चेहरा बने

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आज नई दिल्ली में इंडिया एनर्जी वीक 2025 में अग्रणी मोबिलिटी समाधान प्रदाता जियो-बीपी (रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड का ऑपरेटिंग ब्रांड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी का संयुक्त उद्यम) के इंटरनेशनल फ्यूल फॉर इंडिया (आईएफएफआई) अभियान का शुभारंभ किया। लोकप्रिय भारतीय सिनेमा अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मौजूदगी में आईएफएफआई अभियान में दिखाया गया कि जियो-बीपी किस तरह बिना किसी अतिरिक्त लागत के हर भारतीय तक उच्च प्रदर्शन वाले ईंधन पहुंचा रहा है। बीपी के ईंधन अनुसंधान के 100 से अधिक वर्षों के अनुभव का लाभ उठाते हुए, यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी में विश्व स्तर पर प्रशंसित आरएंडडी केंद्रों में विशेषज्ञ प्रौद्योगिकीविदों की गहन जांच के तहत हजारों किलोमीटर से अधिक समय तक भारतीय ईंधन के साथ भारतीय मूल उपकरण निर्माता के इंजनों का परीक्षण करके एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ जियो-बीपी के उच्च प्रदर्शन वाले ईंधन विकसित किए गए हैं। एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ जियो-बीपी में डीजल 4.3 प्रतिशत तक की वृद्धिशील माइलेज का लाभ प्रदान करता है, और एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ जियो-बीपी में पेट्रोल महत्वपूर्ण इंजन भागों को 10 गुना तक साफ रखने में मदद करता है। जियो-बीपी में उच्च प्रदर्शन वाले ईंधन सभी प्रकार के वाणिज्यिक और निजी वाहनों के साथ-साथ गैर-परिवहन खंड में काम करते हैं। स्प्लिट फ्यूल कार ने वाहन के 6-सिलेंडर इंजन के विभिन्न हिस्सों को शक्ति प्रदान करने वाले दो ईंधन टैंक को स्पष्ट रूप से सीमांकित किया है। यह एक पारदर्शी प्रदर्शन है कि कैसे जियो-बीपी में सक्रिय तकनीक के साथ उच्च प्रदर्शन वाला पेट्रोल और साधारण पेट्रोल अलग-अलग तरीके से काम करता है। बोरस्कोप इमेजिंग (मानव शरीर के अंदर देखने के लिए चिकित्सा क्षेत्र में उपयोग किया जाता है) के साथ, प्रदर्शनी में साधारण पेट्रोल के लिए महत्वपूर्ण इंजन घटकों पर उच्च जमाव का निर्माण दिखाया गया, जो अनिवार्य रूप से कम ईंधन दक्षता का कारण बनेगा। यह देखते हुए कि इंजन समान परिस्थितियों में एक ही कार में चल रहा है, यह सक्रिय तकनीक संचालित ईंधन के साथ संचालन के लाभ का प्रमाण है।

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाएंगे रोहित और शमी? आया ये बड़ा अपडेट

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के भारत बनाम पाकिस्तान मैच में भारतीय टीम के लिए दो प्रमुख खिलाड़ी रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी चोटिल हो गए थे। कप्तान रोहित शर्मा की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था जबकि मोहम्मद शमी पिंडली में दर्द महसूस कर रहे थे। इन दोनों खिलाड़ियों की चोट के बाद फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों में चिंताएं बढ़ गई थीं, लेकिन अब श्रेयस अय्यर ने राहत की खबर दी है कि इन दोनों को लेकर कोई खास चिंता की बात नहीं है।

रोहित शर्मा की हैमस्ट्रिंग की चोट

पाकिस्तान की पारी के अंतिम ओवरों में जब रोहित शर्मा गेंद पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे, तो उन्हें कड़ी मेहनत करते हुए देखा गया। कमेंटरी कर रहे डेल स्टेन ने जब देखा कि रोहित कुछ असहज नजर आ रहे है, तो उन्होंने अनुमान लगाया कि कप्तान को हैमस्ट्रिंग से जुड़ी समस्या हो सकती है। इस दौरान रोहित काफी देर तक मैदान से बाहर रहे, लेकिन श्रेयस अय्यर ने कहा कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि रोहित ने अपनी चोट के बारे में चिंता जताई थी, लेकिन वे सहज थे और इसे ज्यादा गंभीर नहीं मानते थे।

मोहम्मद शमी की पिंडली की चोट

वहीं, मोहम्मद शमी को पिंडली में दर्द महसूस हुआ, जिसके कारण उन्हें उपचार के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। हालांकि वह कुछ समय बाद मैदान पर लौट आए और उन्होंने अपनी गेंदबाजी जारी रखी, लेकिन वह अपना पूरा 10 ओवर का कोटा नहीं पूरा कर पाए। इसके बावजूद, शमी अब बेहतर महसूस कर रहे थे और उनकी स्थिति स्थिर थी।

श्रेयस अय्यर का बयान और खिलाड़ी की फिटनेस

मैच के बाद श्रेयस अय्यर से इन दोनों खिलाड़ियों की चोट पर सवाल पूछा गया। उन्होंने दोनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त करने के बजाय यह कहा कि उनकी चोटों को लेकर कोई गंभीर चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि दोनों खिलाड़ी ठीक है और कोई समस्या नहीं है। मैंने उनसे बात की थी और वे दोनों ही इस बारे में बहुत सहज थे।'

भारत का अगला मुकाबला न्यूजीलैंड से

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर शानदार शुरुआत की थी। अब भारतीय टीम का अगला मुकाबला 2 मार्च को

न्यूजीलैंड से होने वाला है। अगर टीम इंडिया यह मैच जीतती है, तो वह ग्रुप स्टेज में पहले स्थान पर बनेगी और सेमीफाइनल में उसका सामना ग्रुप बी की नंबर 2 टीम से होगा। भारतीय टीम के प्रदर्शन से उम्मीद जताई जा रही है कि वह टूर्नामेंट में आगे बढ़ेगी।

शुभमन गिल आने वाले वर्षों में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे : पूर्व क्रिकेटर्स

दुबई (एजेंसी)। पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ और नवजोत सिंह सिद्धू ने शुभमन गिल के स्ट्रोक्स और तकनीक से प्रभावित होकर सोमवार को कहा कि यह 25 वर्षीय खिलाड़ी आने वाले वर्षों में भारतीय टीम की बल्लेबाजी की अगुआई करेगा। गिल ने रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की छह विकेट की जीत में 46 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में शतक लगाया था।

बांगड़ ने कहा, 'साफ तौर पर वह आने वाले वर्षों में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभालने वाले खिलाड़ी हैं।' गिल की तकनीक के बारे में बात करते हुए बांगड़ ने कहा, 'उनकी नींव वाकई बहुत मजबूत है और इसमें वनडे में लगभग ढाई साल के प्रदर्शन का आत्मविश्वास भी शामिल है। एकदिवसीय क्रिकेट में वह अद्भुत रहे हैं।' बांगड़ ने कहा, 'उसकी टाइमिंग इतनी शानदार है।'

सिद्धू ने गिल की भी तारीफ की जो 50 ओवर के प्रारूप में शानदार फॉर्म में हैं। सिद्धू ने कहा, 'देखिए बरगद के पेड़ के नीचे कुछ भी नहीं उगता और भारतीय क्रिकेट का बरगद के पेड़ मूल रूप से रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं। लेकिन जब आप शुभमन गिल को देखते हैं तो यह खिलाड़ी उस बरगद के पेड़ की छाया से उभरकर परिपक्व हो गया है।'

पाक कप्तान रिजवान ने माना उनकी टीम चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हुई

-दूसरी टीमों के भरोसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद नहीं करता

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने माना है कि भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार के बाद उनकी टीम चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गयी है। पाक टीम पहले मैच में भी न्यूजीलैंड से हारी थी। ऐसे में लगातार दो हार के बाद उसके नॉकआउट में पहुंचने की सभी संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। रिजवान ने कहा कि दोनो ही टीमों भारत और न्यूजीलैंड ने हमसे बेहतर खेला। साथ ही कहा अब दूसरी टीम के परिणामों के भरोसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद को वह सही नहीं मानते हैं। अब न्यूजीलैंड टीम बचे हुए दो मैचों में से एक में भी जीत मिल जाती है तो मेजबान पाक टीम की सभी संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी। कीवी टीम को अब एक मैच बांग्लादेश से खेलना है और इसमें उसके लिए जीत हासिल करना कठिन नहीं है।

रिजवान ने कहा, अभी तो हम यही कह सकते हैं कि हमारे लिए टूर्नामेंट समाप्त हो गया। हमारे पास अब कुछ नहीं है। वास्तविकता यही है। अब अगला मैच बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच होगा। वहीं एक मुकाबला न्यूजीलैंड और भारत के बीच है। इनके परिणामों पर अब हम आधारित हो गये हैं। वहीं एक कप्तान के तौर मैं दूसरों के भरोसे आगे बढ़ने की उम्मीद सही नहीं मानता।

मेरा मानना है कि हमें अपनी क्षमता और ताकत से जीत हासिल करनी चाहिये। किसी और के परिणाम के भरोसे रहना सही नहीं होगा। हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो जाने के लिए तैयार रहना चाहिये। हमें भारत और न्यूजीलैंड ने हराया है जिससे स्वीकार करना ही होगा। हम इसे स्वीकार करते हैं। उन्होंने अच्छा खेला जबकि हमारा प्रदर्शन ठीक नहीं रहा पर हम ये नहीं कह सकते कि हम अच्छा खेले। इस टूर्नामें में अब पाक टीम तभी सेमीफाइनल में पहुंच सकती है जब बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड को हरा दे और पाकिस्तान फिर बांग्लादेश को बड़े अंतर से हरा दे। इसके अलावा पाकिस्तान को ये भी उम्मीद करनी भी करनी होगी कि ग्रुप ए में भारतीय टीम न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत दर्ज करे जिससे रन रेट के मामले में पाकिस्तान आगे बढ़ जाए।

पाकिस्तान में विदेशी टीमों और फैंस पर मंडराया खतरा, आतंकी संगठन ने दी किडनैपिंग की धमकी

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान में खेली जा रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। इस टूर्नामेंट पर आतंकी साया मंडरा रहा है। टूर्नामेंट के बीच में आई इस रिपोर्ट ने सनसनी मचा दी है क्योंकि अभी इस टूर्नामेंट के कई मुकाबले खेले जाने हैं। आतंकी हमले के साथ ही किडनैपिंग के भी प्लान बनाए जा रहे हैं ऐसा इस रिपोर्ट में दावा किया गया है। एक बड़े न्यूज चैनल के एक्सक्लूसिव एडिटर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। उनका कहना है कि टूर्नामेंट पर मंडरा रहा खतरा पाकिस्तान के साथ भारत की खुफिया एजेंसियों को भी जानकारी मिली है।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि,

खुफिया एजेंसियों को पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर ISKP समूह द्वारा आतंकी हमले की संभावित कोशिश के बारे में जानकारी मिली है। भारतीय एजेंसियों को भी उनके विदेशी समकक्षों द्वारा इसबारे में बताया गया है। संभावित अपहरण या आतंकी हमले के बारे में चर्चा की जानकारी मिली है। इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत दक्षिण मध्य एशिया, मुख्य रूप से अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सक्रिय सलाफी जिहादी समूह इस्लामिक स्टेट की एक शाखा है। भले ही अब तक इसको लेकर कोई पुष्ट जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन ऐसे संभावित खतरे को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

भारत ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर ही पाकिस्तान जाने से मना किया था। इसको लेकर पाकिस्तानी मीडिया में काफी हल्ला भी मचा था और उन्होंने भारत की आलोचना की थी। हालांकि, भारत अपने मुकाबले दुबई में ही खेल रहा है, लेकिन अन्य सभी टीमें पाकिस्तान गई हैं। होस्ट पाकिस्तान पहले दो मैच लगातार हारने के बाद अब चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने की कगार पर है। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला खेला जा रहा है।

अब शायद विराट के फॉर्म को लेकर सवाल नहीं उठेंगे : कोच राजकुमार

दुबई। विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में विराट की शतकीय पारी को देखने के बाद बेहद खुश हैं। कोच ने कहा कि अब कोई विराट के फार्म को लेकर नहीं पूछेगा। राजकुमार ने कोहली की शानदार पारी की प्रशंसा भी की और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अब उनके फॉर्म पर सवाल उठने बंद हो जाएंगे। कोहली ने पाक के खिलाफ फॉर्म में जबरदस्त वापसी करते हुए ही अपना 51वां शतक लगाया है। जिससे भारतीय टीम ने पाक को छह विकेट से हरा दिया। कोहली ने इससे पहले एकदिवसीय अपना आखिरी शतक नवंबर 2023 में लगाया था। पिछले कुछ साल से बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण विराट की काफी आलोचना हो रही थी। शर्मा ने कहा कि कोहली कभी खराब फार्म में थे ही नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा कहता रहा हूं कि वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है और उसने आज यह फिर से साबित कर दिया। वह हमेशा मजबूत टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करता रहा है। शर्मा ने कहा, 'वह पिछले कई वर्षों से ऐसा कर रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसने देश के लिए सबसे अधिक मैच जीते हैं। कोहली ने अपनी इस पारी के दौरान एकदिवसीय में 14000 रन भी पूरे किए। वह सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं। शर्मा ने इसे बड़ी उपलब्धि करार दिया।

2026 एशियाड में अब 11 ईस्पोर्टर्स खिताबों के लिए मुकाबले होंगे : ओसीए

नई दिल्ली। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने ईस्पोर्टर्स कार्यक्रम का विस्तार कर दिया है। इसमें अब 11 खिताबों के लिए मुकाबले होंगे। इससे भारत की पदक जीतने की उम्मीदें बढ़ी हैं। भारतीय खेल महासंघ के निदेशक और एशियाई खेल महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने कहा, '' ओसीए का 11 खिताबों तक विस्तारित करने का फैसला भारत के लिए लाभदायक रहेगा। इससे पहले ओसीए के कार्यकारी बोर्ड ने चीन के हार्बिन में अपनी बैठक के दौरान स्ट्रीट फाइटर 6, पोकेमॉन यूनाइट, ऑनर ऑफ किंग्स, लीग ऑफ लीजेंड्स – एशियाई खेलों का संस्करण, पबजी – एशियाई खेलों का संस्करण, मोबाइल लीजेंड्स – बैंग बैंग, नाराका- ब्लेडपॉइंट, ग्रीन टूरिज्मो 7, ईफुटबॉल सीरीज और पुयो पुयो चैंपियंस को 2026 एशियाई खेलों में पदक स्पर्धाओं के रूप में शामिल करने की सहमति दी थी। गौरतलब है कि 2022 हांग्झोउ एशियाई खेलों में ईस्पोर्ट्स ने सात खिताबों के साथ आधिकारिक पदक स्पर्धा के रूप में शुरुआत की थी। भारत ने इनमें से केवल चार में भाग लिया था क्योंकि भारत में अन्य स्पर्धाएं प्रतिबंधित थी। भारतीय खेल महासंघ के निदेशक और एशियाई ईस्पोर्ट्स महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने कहा कि ओसीए का ईस्पोर्टर्स कार्यक्रम को 11 खिताबों तक बढ़ाने का फैसला भारत के लिए शानदार कदम है।

पंजाब किंग्स को जीत दिलाना है लक्ष्य : पोंटिंग

नई दिल्ली। आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के नये मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उनका लक्ष्य इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र मे टीम खिताब जिताना है। इसी कारण उन्होंने मेगा नीलामी में श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों को मोटी कीमत पर खरीबा पोंटिंग ने कहा कि उनका लक्ष्य इस इरा बार टीम को खिताबी जीत दिलाना रहेगा। इसी कारण इन खिलाड़ियों को लिया गया है। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को 18 करोड़ रुपए में खरीदा। वहीं अर्शदीप को आरटीएम कार्ड के जरिये 18 करोड़ रुपये में जोड़ा। पोंटिंग ने कहा कि मैं एक ऐसे कप्तान को भी लाना चाहता था जिसके साथ मैंने पहले काम किया हो और जिसे काफी सफलता मिली हो। इसलिए हमने कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान रहे श्रेयस को खरीद। मैं चहल को भी लाना चाहता था। इस प्रकार अब हमारे पास काफी कुशल खिलाड़ी हो गये हैं। पंजाब किंग्स की टीम अभी तक कोई आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। टीम ने साल 2014 में फाइनल में प्रवेश किया था पर वहां हार गयी थी। टीम दो बार प्लेऑफ में पहुंची है। वहीं 2008 में सेमीफाइनल तक वह पहुंची थी। टीम के लिए पिछले कुछ सत्र बेहद खराब रहे हैं। 2015 के बाद से ही टीम एक बार भी प्लेऑफ में नहीं पहुंची है।

मीराबाई मोटापे के खिलाफ लड़ाई में शामिल, कहा छोटे-छोटे बदलाव बड़ा अंतर पैदा कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मोटापे के खिलाफ लड़ाई में शामिल होते हुए ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने सोमवार को जोर देते हुए कहा कि जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव इस 'बड़ी स्वास्थ्य समस्या' से निपटने में महत्वपूर्ण अंतर पैदा कर सकते हैं। इस पहल की शुरुआत सोमवार को हुई जब प्रधानमंत्री मोदी ने मोटापे से निपटने के प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए चानू सहित विभिन्न क्षेत्रों से 10 व्यक्तियों को नामित किया।

प्रधानमंत्री ने इससे एक दिन पहले ही लोगों से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया था जिसके बाद उन्होंने यह घोषणा की। तीस वर्षीय पूर्व विश्व चैंपियन भारोत्तोलक मीराबाई ने 'एक्स' पर लिखा, ''मोटापे के खिलाफ

लड़ाई में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा नामित किए जाने पर बहुत खुशी है। यह एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है जिसे सही जीवनशैली का विकल्प चुनकर और सक्रिय, स्वस्थ और फिट रहने का विकल्प चुनकर समाप्त किया जा सकता है।''

उन्होंने कहा, ''हमें भारत के इस दिशा में आगे बढ़ने और हमारी विकास यात्रा का समर्थन करने की जरूरत है। हमारे दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करने से देश में बड़े बदलाव हो सकते हैं और भारत को फिट बनाने के हमारे सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।''

इस पहल के हिस्से के रूप में चानू ने कई प्रमुख खिलाड़ियों को नामित किया जिनमें मौजूदा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल, निशानेबाजी के दिग्गज गगन नारंग, पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, पुरुष हॉकी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह, दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस, दोहरी ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, पैरिस खेलों के पदक विजेता निशानेबाज सरबजोत सिंह, टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा और पैरालंपिक निशानेबाजी चैंपियन अवनी लेखरा शामिल हैं।

मनु की अगुवाई में आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व स्टार महिला विजेता निशानेबाज मनु भाकर करेंगी। आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप सत्र दक्षिण अमेरिका में विश्व कप के साथ शुरू होगा और इसमें दो चरण होंगे। इसका चरण अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। ओलंपिक पदक विजेता मनु विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेंगी। उनके साथ ओलंपियन अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में भाग लेंगे। वहीं ऐशा सिंह महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस, सिफ्त कौर सामरा और श्रेयांका सादंगी महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में उतरेंगे। अर्जुन बबूता पुरूषों की दस मीटर एयर राइफल, पृथ्वीराज टोंडाइमान ट्रैप, अनंत जीत सिंह नरूका स्कीट और रेजा ढिल्लों महिला स्कीट भी टीम में शामिल हैं। आईएसएसएफ निशानेबाजी से पहले अभ्यास के लिए भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने 14 मार्च से शिविर का भी आयोजन किया है। राइफल संघ ने कहा ,'' हर वर्ग में विश्व कप के तीन चरण होंगे जबकि दो जूनियर विश्व कप भी खेले जायेंगे। विश्व कप का दूसरा चरण सितंबर में दिल्ली में खेला जाएगा। वहीं अगस्त में कजाखस्तान में 16वीं एशियाई चैम्पियनशिप होगी।''

पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोट में खेलते दिखेंगे सिनर

-दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के लिए निराशानजक बताया

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अब पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर खेलते नजर आएंगे। सिनर सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे और उन्होंने विश्व में जो नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी वह भी पहले की तरह ही रहेगी। सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था जिसके बाद से ही वह निलंबित चल रहे थे पर हाल ही में उनका उनका विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से समझौता हो गया था। इससे बाद उन्हें केवल तीन माह ही निलंबन में और गुजारने होंगे। इस दौरान उनके जीते खिताब और ईनामी राशि भी वापस

नहीं ली जाएगी। वहीं विश्व के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी इस प्रकार के फैसले से नाराज हैं। इन खिलाड़ियों का का मानना है कि डोपिंग मामले में इस प्रकार का समझौता सही नहीं है। इससे खेलों में डोपिंग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं जो खिलाड़ी इस प्रकार के कामों में लिप्त नहीं होते उन्हें ये अपने साथ धोखा लगेगा क्योंकि डोपिंग में लिप्त खिलाड़ी भी उन्हीं के बराबर में आ जाएंगे। ऐसे में लोग सभी को समान मानेंगे। इसी को लेकर तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विटजरलैंड के स्टैन वावरिंका ने सोशल मीडिया में लिखा, 'खेल में पारदर्शिता नहीं रहेगी।

वहीं विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने कहा, 'टेनिस में अब निष्पक्षता पर सवाल उठे। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। उन्हें स्टार खिलाड़ी होने का लाभ मिला जो गलत तरीका है। वहीं दानिल मेदवेदेव ने कहा कि अब हर कोई डोपिंग में लिप्त होने के बाद इसी प्रकार से समझौते करेगा। इस फैसले की नोवाक जोकोविच के साथ ही प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने भी आलोचना की है।

एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सेंट जॉन्स। ऑस्ट्रेलियाई टीम करीब एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जा रही है। वेस्ट क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन टेस्ट और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलने के लिए इस साल जून और जुलाई में उसके यहां दौरे पर आयेगी। यह साल 2015 के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट दौरा होगा। साल 2015-16 में वेस्टइंडीज के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों देशों की टीमें पहली बार तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलती हुई दिखेंगी। सर फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए खेले जाने वाली इस टेस्ट सीरीज का पहला मैच 25 जून से ब्रिजटाउन, बारबाडोस में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट तीन जुलाई से सेंट जॉर्ज, ग्रेनाडा में और तीसरा टेस्ट 12 जुलाई से किंग्स्टन, जमैका में खेला जाएगा। इसके बाद पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की सीरीज खेली जाएगी। इसके पहले दो मैच किंग्स्टन में 20 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे। वहीं बचे हुए तीन मैच 25, 26 और 28 जुलाई को सेंट किट्स में खेले जाएंगे।

मैं अभी अच्छी लय में हूं, जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी अच्छी गेंदबाजी करूंगा : कुलदीप यादव

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में वह हर मैच में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। कुलदीप ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ डेथ ओवरों में तीन विकेट लिए और वह एक समय हैट्रिक लेने की स्थिति में भी थे। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी, जिसके कारण वह तीन महीने से अधिक समय तक खेल से दूर रहे थे।

कुलदीप ने कहा, 'चोटों को ठीक होने में छह महीने लगते हैं। मैंने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेले। उनमें मेरी लय अच्छी थी। बांग्लादेश के खिलाफ भी मेरी लय अच्छी थी।' कुलदीप चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा, 'लेकिन स्वाभाविक है कि आप हमेशा विकेट हासिल करने की तलाश में रहते हैं। आज जब मैंने अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे लगा कि मैं बेहतर लय में हूं। मैं आरामदायक स्थिति में हूं।'

कुलदीप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं इससे भी बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। मैंने चोट से वापसी करने के बाद अभी तक तीन-चार मैच खेले हैं। मैं जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी ही अच्छी गेंदबाजी करूंगा।' कुलदीप ने पाकिस्तान के निचले क्रम के बल्लेबाजों सलमान आगा, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट लिए। अपनी रणनीति के बारे में कुलदीप ने कहा, 'अपने पहले स्पैल में मैंने काफी चाइनामैन की। अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने के लिए मैं गुगली भी करता हूं। इसके अलावा मैंने टॉप स्पिन भी की।'

कुलदीप ने डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने के बारे में कहा, 'मैं अंतिम 10 ओवरों में गेंदबाजी करने के लिए पहली पसंद का गेंदबाज बनने में सक्षम हूं। यहां तक कि कप्तान का भी मानना है कि अगर आपके पास विविधता है तो स्पिनर पर शॉट मारना मुश्किल होता है। सौभाग्य से यह मेरे लिए अच्छा था। विकेट भी धीमा था।'

इसलिए फिल्म निर्माता बनना चाहते थे अनुराग कश्यप, सिनेमा को लेकर की अपने मन की बात

अनुराग कश्यप ने सिनेमा के प्रति को दिखाया है। निर्माता अनुराग कश्यप ने कहा कि जब चीजें खराब हो जाती हैं, तो वे खुद को याद दिलाते हैं कि वे कहां से आए हैं। अनुराग ने यह भी कहा कि उनके पास आज इंडस्ट्री में काम कर रहे, कई स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं की तुलना में अधिक विशेषाधिकार हैं और यही वह चीज है जिस पर वे अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं के बजाय ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

इसलिए फिल्म निर्माता बनना चाहते थे अनुराग

फोर्ब्स को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इन दिनों दर्शक बड़े बजट की फिल्मों को देखना पसंद करते हैं, इस बीच वे स्ट्रीमिंग पर आने वाली छोटी फिल्मों का इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भविष्य की ओर देखना बंद कर दिया है। अब मैं उन चीजों पर बात करना चाहता हूं, जिस पर बात करना लोगों ने बंद कर दिया है। मैं एक फिल्म निर्माता बनना चाहता था क्योंकि मुझे बड़े पर्दे पर फिल्में देखना पसंद है।

सिनेमा से है बेहद प्यार

अनुराग कश्यप ने कहा कि मैं घर पर जो रुकावटें आती हैं, उसके कारण घर पर फिल्में देखना पसंद नहीं करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे सिनेमा में ही फिल्म देखने में मजा आता है। अनुराग कश्यप ने कहा, क्या होगा अगर सब कुछ खराब हो जाए। अगर मेरा सारा काम गलत हो जाए। मैं जहां से आया हूं, वहीं चला जाऊंगा। मैं सिनेमा से बहुत प्यार करता हूं।

निर्माताओं के साथ होती है तुलना

अन्य निर्माताओं के साथ तुलना किए जाने पर अनुराग बसु ने कहा कि मेरी अन्य निर्देशकों के साथ तुलना क्यों की जाती है। मुझे एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता क्यों नहीं माना जाता। बता दें कि निर्माता अनुराग कश्यप की कन्नड़ फिल्म टाइगर्स पॉन्ड बर्निल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई।

नरगिस फाखरी ने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से की गुपचुप शादी!

एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड टोनी बेग से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में गुपचुप तरीके से शादी की। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। अब यह कपल स्विट्जरलैंड में अपना हनीमून मना रहा है। हालांकि, नरगिस ने अभी तक इस मामले में कोई रिएक्शन नहीं दिया है। रेडिट पर नरगिस फाखरी और टोनी बेग की कुछ तस्वीरें शेयर की गई हैं। इसमें उनका वेडिंग केक दिखाई दे रहा है, जिस पर हैप्पी मैरिज लिखा हुआ है। साथ ही दोनों के साइन भी किए गए हैं।

कौन हैं टोनी बेग

टोनी बेग कश्मीर के रहने वाले एक बिजनेसमैन हैं। दोनों की पहली मुलाकात एक पार्टी के दौरान हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नरगिस और टोनी 2022 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। नरगिस ने शेयर कीं स्विट्जरलैंड की फोटोज नरगिस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्विट्जरलैंड की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके अलावा, एक्ट्रेस टोनी की स्टोरीज भी री-शेयर कर रही हैं। इस वजह से सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि दोनों ने वास्तव में शादी कर ली है और अब वे हनीमून मना रहे हैं।

उदय चोपड़ा को कर चुकी हैं डेट

उदय चोपड़ा ने साल 2013 में नरगिस फाखरी को डेट करना शुरू किया था। एक-दूसरे को पांच साल तक डेट करने के बाद, दोनों ने 2017 में ब्रेकअप कर लिया था। हालांकि, एक इंटरव्यू में उदय के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए नरगिस ने कहा था, उदय और मैंने 5 साल तक डेट किया और वह भारत में मुझे मिले सबसे खूबसूरत इंसान थे। मैंने मीडिया के सामने यह कभी नहीं कहा क्योंकि लोगों ने मुझे अपने रिश्ते को छिपाकर रखने के लिए कहा था, लेकिन मुझे इसका अफसोस है।

इन फिल्मों में काम कर चुकीं नरगिस

मॉडलिंग की दुनिया में अपनी जगह बनाने के बाद नरगिस ने 2011 में फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद नरगिस फिल्म मद्रास कैफे, मैं तेरा हीरो, अजहर, हाउसफुल 3 और अमावस जैसी फिल्मों में नजर आई।

तीन मिनट के रोल के लिए वसूले करोड़ों?

फिल्म डाकू महाराज में उर्वशी का रोल बहुत बड़ा नहीं है। मगर, शुरुआत से उन्होंने इस तरह का माहौल बनाकर रखा कि जैसे वे फिल्म की लीड अदाकारा हैं। इसे लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ी है। अब एक बार फिर उर्वशी इस फिल्म में अपनी फीस को लेकर चर्चा में आ गई हैं। फिल्म में उर्वशी का रोल महज तीन मिनट का रहा है। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि इसके लिए उन्हें अच्छा-खासा भुगतान किया गया है।

तीन मिनट का रोल और फीस इतने करोड़

फिल्म डाकू महाराज में उर्वशी रौतेला की फीस को लेकर अटकलें लगी हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री को अपने करीब तीन मिनट के रोल के लिए तीन करोड़ रुपये फीस दी गई है। यानी एक मिनट के लिए एक करोड़ रुपये। हालांकि, खबरों में किए जा रहे दावों की अभी उर्वशी या किसी की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

इस गाने से बटोरी चर्चा

उर्वशी ने फिल्म डाकू महाराज के दाबिड़ी-दीबिड़ी गाने से काफी लोकप्रियता हासिल की है। इसमें वे नंदमुरी बालकृष्ण के साथ नजर आई। गाने में उर्वशी के डांस मूव्स पर भी काफी विवाद हुआ। 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई डाकू महाराज आज 21 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

मोहनलाल ने कंफर्म की दृश्यम 3

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल जल्द ही दृश्यम फ्रेंचाइजी के अगले भाग में नजर आने वाले हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया के जरिए दी है। मोहनलाल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से लिखा, अतीत कभी शांत नहीं रहता। दृश्यम 3 कंफर्म। इस एलान के बाद फैंस का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ गया है। लोग सोशल मीडिया पर कमेंट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्लासिक क्रिमिनल वापस आ रहा है। एक और यूजर ने लिखा, इस फिल्म के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती। इसके अलावा और भी यूजर्स कमेंट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

आयुष्मान के साथ पर्दे पर जमेगी शरवरी वाघ की जोड़ी

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सूरज बड़जात्या को पारिवारिक और रोमांटिक कहानियों को बड़े पर्दे पर पेश करने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनकी अगली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शरवरी वाघ को आयुष्मान खुराना के साथ सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म के लिए कास्ट किया गया है।

इस वजह से किया गया कास्ट

निर्देशक को हम साथ-साथ हैं, मैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन जैसी पारिवारिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार शरवरी ने इस भूमिका के लिए सूरज बड़जात्या की तरफ से तय किए गए सभी मानदंडों को पूरा किया है। खासकर फिल्म में मासूमियत और संवेदनशीलता को शानदार तरीके से व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें इस भूमिका के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया।

पहली बार जमेगी जोड़ी

दिसंबर 2024 में यह जानकारी सामने आई थी कि आयुष्मान खुराना सूरज बड़जात्या की फिल्म में प्रेम के किरदार में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सूरज बड़जात्या को अपने आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश थी। इस बार उन्होंने आयुष्मान खुराना को चुना है, जिनकी छवि परिवारों के बीच खासी लोकप्रिय है। यह आयुष्मान खुराना और शरवरी की एक साथ पहली फिल्म होगी।

राजकुमार राव निभाएंगे सौरव गांगुली का रोल

राजकुमार राव जल्द ही अपकमिंग बायोपिक फिल्म में पूर्व भारतीय क्रिकेट कैप्टन सौरव गांगुली की भूमिका में नजर आएंगे। काफी समय से हीरो को लेकर चर्चा हो रही थी कि ऑन-स्क्रीन सौरव की भूमिका में कौन नजर आएगा। अब खुद क्रिकेटर ने अनाउंस किया है कि बड़े पर्दे पर उनकी भूमिका राजकुमार राव अदा करेंगे। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए सौरव गांगुली ने कहा, 'जो मैंने सुना है, उसके अनुसार राजकुमार राव लीड रोल निभाएंगे, लेकिन डेट को लेकर इश्यू है। इसलिए इस बायोपिक फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने में एक साल से ज्यादा का समय लग जाएगा।' यह बायोपिक फिल्म फिलहाल शूटिंग के स्टार्टिंग फेज में है। लेकिन इसकी अनाउंसमेंट के बाद से एक्टर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि मेकर्स ने फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। फिल्म के नाम और अन्य कलाकारों का नाम भी अभी नहीं बताया गया है।

मुश्किल वक्त मूव ऑन करने में यकीन करता हूं

बीते लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी के कारण चर्चा में रहने वाले अर्जुन कपूर इन दिनों खबरों में हैं अपनी नई फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी को लेकर। अपनी पिछली फिल्म सिंघम अगेन में वे एक नेगेटिव किरदार में दिखे थे, मगर अब वे थिएटर में रोम-कॉम रूप में नजर आएंगे। इस मुलाकात में वे शादी, अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ाव, सफर और अतीत को याद करते हैं।बीते लंबे समय से फिल्में थिएटर में वो जलवा नहीं दिखा पा रही हैं। मगर अर्जुन इस मामले में प्रेशर फील नहीं करते। वे कहते हैं, प्रेशर लेने से क्या होगा? हम अदाकार हैं। हमारा काम अभिनय करना है। आज का दर्शक बहुत समझदार हो गया है। इस सचाई को स्वीकारना होगा कि फिल्म अच्छी होगी तो चलेगी।

मेरे वैल्यूज आज भी जस के तस हैं

आज से तकरीबन 13 साल पहले अर्जुन कपूर ने इश्कज़ादे से फिल्मों में एंट्री की थी। तब से लेकर अब तक के अपने सफर के बारे में वे कहते हैं, इश्कजादे में आपने जिस मासूम और वल्नरेबल लड़के को देखा था, वही वल्नरेबिलिटी आज भी है। दौर बदल गया है, चीजें बदल गई हैं, मगर मेरे कोर वैल्यू जस के तस हैं। मेरे माता-पिता और परिवार ने जो कुछ सिखाया है। मैं आज भी वही हूं। दस-बारह सालों में मेरी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए, मगर मैं अटल रहा हूं। मैंने अपने काम से जवाब दिया, उन लोगों को जिन लोगों ने मुझ पर सवाल उठाए। मैं लगातार अपना काम करता गया। इश्कजादे, टू स्टेट, की एंड का, संदीप और पिंकी फरार, मुबारका जैसी फिल्मों से मैं ऑडियंस का प्यार पाता गया। मगर सिंघम अगेन में मुझे दर्शकों और क्रिटिक्स का प्यार मिला है, तो वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। अब मुझे अपनी इस नई फिल्म से बहुत उम्मीद है। मैं कह सकता हूं कि मेरा सफर शानदार रहा और आज मैं जो कुछ हूं, इसमें मेरी यात्रा का बहुत बाद योगदान रहा है।

शादी आज भी हमारे समाज में अहम है

अर्जुन की ताजा-तरीन फिल्म शादी -ब्याह पर आधारित है। असल जिंदगी में वे शादी के बारे में कहते हैं, हम जिस देश में पले-बढ़े हैं। उसकी सभ्यता और विचारधारा को समझना बहुत जरूरी है। उसमें शादी एक अहम भूमिका अदा करता है। ऐसे में आपके बड़े-बूढ़े चाहते हैं कि आप शादी करके खुश रहें, स्थायी हो जाएं, आपको भागदौड़ भरी जिंदगी में एक संतुलन मिले। आप जब घर लौटें, तो घर पर एक आधार पाएं। मैं इस विचारधारा से सहमत हूं कि आपकी एक रिलेशनशिप हो जो शादी में तब्दील हो। मगर अब बात बदल गई है। पहले आप दो लोग एक समय में शादी करके एक साथ अपनी जिंदगी बनाते थे, मगर अब ऐसा हो गया है कि पहले जब आप अपनी जिंदगी संभाल पाएंगे, उसी के बाद किसी को अपने जीवन में ला पाएंगे। आज शादी में स्टेबिलिटी पहले देखी जाती है, मगर इसके बावजूद यही कहूंगा कि शादी आज भी हमारे समाज में बहुत मजबूत है।

जिस फिल्म में असिस्टेंट था, आज उसी के पार्ट 2 हीरो हूं

फिल्म परिवार के होने के साथ-साथ वे 16 साल की उम्र में सहायक निर्देशक भी रहे। वे कहते हैं, देखिए मैं सिनेमा के बैकग्राउंड से हूं। घर पर खाना परोसा जाता तो सिनेमा के साथ साथ ही बात शुरू होती है और सिनेमा के साथ ही बात खत्म होती है। मगर यदि आपको सिनेमा के क्षेत्र में कुछ करना है, तो कुरुक्षेत्र में तो उतरना ही पड़ेगा। मैं उतर पड़ा सहायक निर्देशक के रूप में। मैंने कल हो न हो से असिस्टेंट डायरेक्टर का काम करना शुरू किया। मैंने सलाम-ए-इश्क और नो एंट्री में असिस्ट किया था और अब जिंदगी ऐसे घूम कर आ गई है कि मैं नो एंट्री 2 में अभिनय करने वाला हूं। क्राफ्ट के प्रति मेरा पैशन के कारण ही मुझे यहां डाला गया कि मैं सिनेमा की बारीकियों को समझ सकूं। फिल्म निर्माण बहुत ही पेचीदा प्रक्रिया है। सबसे बड़ी बात ये है कि फिल्म के एक विचार के साथ पूरा कास्ट और क्रू एक साथ आगे बढ़ता है। लोगो को शोहरत और लोकप्रियता दिखती है, मगर जो एक मेहनत होती है, वो नहीं दिख पाती।

आज की जनरेशन पर सोशल मीडिया का बहुत प्रेशर है

बीते वक्तों में अर्जुन एक तरफ ऑटोइम्यून डिसऑर्डर से गुजरे तो निजी जिंदगी में ब्रेकअप का सामना भी किया। बहुत पहले ही वे अपनी मां को भी गंवा चुके थे। मगर उनका मानना है कि उनकी जिंदगी के उतार-चढ़ावों ने उन्हें मजबूत बनाया। वे कहते हैं, अगर जिंदगी में सबकुछ सुलझ जाए, तो जीवन बहुत बोरिंग हो जाएगा। मेरी जिंदगी में काफी ऊंच-नीच हुई है। आपके साथ जब कुछ बुरा हो रहा होता है, तो आप उसे एक बाधा के रूप में देख कर ये सोच सकते हो कि ऐसा मेरे क्यों हो रहा है? मैंने ऐसा क्या किया? आप हालात या लोगों को दोष दे सकते हैं, जो आम तौर पर होता है और आज की जनरेशन में तो ज्यादा ही होता है, क्योंकि आज सोशल मीडिया का प्रेशर बहुत ज्यादा होता है। आप लोगों की कामयाबी देखते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जारी किया हरियाणा निकाय चुनाव का संकल्प पत्र

● प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, कैबिनेट मंत्री एवं निकाय चुनाव संकल्प पत्र समिति अध्यक्ष विपुल गोयल, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा सहित सभी सदस्य हुए सम्मिलित

समाचार गेट/नरवीर यादव
रोहतक। सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ौली ने निकाय चुनाव संकल्प पत्र जारी किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री एवं संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष श्री विपुल गोयल, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि यह संकल्प पत्र महज एक दस्तावेज नहीं, बल्कि हरियाणा के सतत विकास का मार्गदर्शक सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने संकल्प पत्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें नागरिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि जल एवं सीवरेज कनेक्शन शुल्क माफ करने, मकान एवं भूमि के स्वामित्व अधिकार प्रदान करने, उन्नत ट्रांसपोर्ट व्यवस्था लागू करने तथा पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं को शीघ्र क्रियान्वित करने के लिए भाजपा सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व में विधानसभा चुनाव संकल्प पत्र में किए गए 18 वादे मात्र 100 दिनों के भीतर पूर्ण किए गए, और इसी प्रतिबद्धता के साथ निकाय चुनाव के सभी वादों को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाएगा।

संकल्प पत्र में भूमि, जल, स्वच्छता, ऊर्जा, महिला सशक्तिकरण, सीवरेज, शिक्षा एवं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई है। भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के तहत प्रत्येक निकाय में योग केंद्र, ऑक्सीजन पार्क, ओपन जिम एवं दिव्यांगजन हेतु विशेष सुविधाओं के साथ आदर्श पार्क विकसित किए जाएंगे। साथ ही, स्थानीय निकायों में जनसंख्या घनत्व के आधार पर आधुनिक कम्युनिटी हॉल एवं टियर-2 तथा टियर-3 शहरों में अत्याधुनिक लाइब्रेरी स्थापित की जाएंगी।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जाएगा तथा सफाई कर्मियों की संख्या में वृद्धि की जाएगी। महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स-र्विजनिक स्थलों पर ह्वापिंक टॉयलेटह्व स्थापित किए जाएंगे, जिनमें सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन की सुविधा होगी।

प्रत्येक वार्ड में सोलर-पावर्ड स्ट्रीट लाइट की संख्या दोगुनी की जाएगी, और एक लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों को निःशुल्क सोलर पैनल प्रदान किए जाएंगे। परिवहन व्यवस्था को उन्नत करने हेतु पीपीपी मॉडल के तहत इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा, जिससे नागरिकों को किफायती एवं पर्यावरण-संवेदनशील परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके।

स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक निकाय में ड्राई एवं वेट वेस्ट के लिए पृथक कचरा निस्तारण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, सभी स्थानीय निकायों में जल एवं सीवरेज कनेक्शन शुल्क को माफ करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। भाजपा की गारंटी के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों एवं सड़कों को आवारा एवं बेसहारा पशुओं से मुक्त किया जाएगा,

तथा इन पशुओं के लिए उपयुक्त आश्रय स्थलों की व्यवस्था की जाएगी।

जनहित को केंद्र में रखते हुए, संकल्प पत्र में प्रत्येक बूथ पर ऑनलाइन सेवा केंद्र स्थापित करने का प्रावधान किया गया है, जिससे सरकारी सेवाएं नागरिकों के लिए सुगम एवं सुलभ हो सकें।

कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने स्पष्ट किया कि यह संकल्प पत्र केवल घोषणाओं का संकलन नहीं, बल्कि प्रदेश के समावेशी विकास का प्रतिबिंब है। उन्होंने जनता से अपील की कि आगामी निकाय चुनाव में भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाएं ताकि प्रदेश के सतत विकास की गति को और तेज किया जा सके।

लायंस क्लब कियान की कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

समाचार गेट/संजय शर्मा
फरीदाबाद। समाजसेवी संस्था लायंस क्लब कियान की कार्यकारिणी की बैठक गत सायं यहां एनआईटी नंबर- एक में स्थित आकाश होटल के सभाकक्ष में आयोजित की गई। इस अवसर पर लायंस क्लब इंटरनेशनल जिला 321-ए1 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एन के गुप्ता ने बैठक में ऑफिशल विजिट की। लायंस क्लब कियान के प्रधान आर पी हंस ने मुख्य अतिथि लायन एन के गुप्ता का स्वागत व्यक्त करते हुए क्लब द्वारा हाल ही में किए गए समाजसेवा से जुड़े कार्यों की जानकारी देते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की। श्री हंस ने कहा कि क्लब द्वारा इस वर्ष जनवरी माह के दौरान जरूरतमंद लोगों को कुल 200 कंबल बांटे गए जिनमें से 100 कंबल नीमका जेल में बंदियो कोऔर 100 कंबल ही राजकीय उच्च विद्यालय मार्केट नंबर एक में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से दो हेल्थ चेक-अप कैंप चालू मास के दौरान ही लगाए गए हैं जिनमें से एक कैंप लक्ष्मी नारायण मंदिर सेक्टर-16 के प्रांगण में और एक अन्य कैंप जैड पार्क सेक्टर-16 के परिसर में लगाया गया। श्री हंस ने कहा कि चालू मास के दौरान ही उनकी क्लब की ओर से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर पृथला क्षेत्र में स्थित वी जी कंपनी के परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि लायन एन के गुप्ता ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि लायंस क्लब कियान इसके प्रधान लायन आरपी हंस के कुशल एवं अनुभवी मार्गदर्शन में समाजसेवा से जुड़े कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य कर रहा है।

लायन एन के गुप्ता ने क्लब के सभी सदस्यों से समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़ कर योगदान देने की अपील की। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एन के गुप्ता ने लायंस क्लब कियान में बनाए गए तीन नए सदस्यों डॉ. सुमित गुप्ता, डॉ. लवलीन मंगला व डॉ. संतोष अग्रवाल को सर्टिफिकेट प्रदान करके सम्मानित किया और क्लब की सदस्यता दिलाई। लायन एन के गुप्ता ने लायंस क्लब कियान के वरिष्ठ सदस्य डॉ .मनजिंदर सिंह भट्टी व संजीव जेटली को क्लब के कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सम्मानित किया। बैठक में लायंस क्लब कियान के सदस्य सुरेश शर्मा, प्रियंका शर्मा, सुनील खोसला, पीआर मनोज व पुनीत यादव सहित कई अन्य सदस्यगण भी उपस्थित थे।

शिक्षकों की मांगों को लेकर शैक्षिक महासंघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

समाचार गेट /सुमित गोयल
फरीदाबाद, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की फरीदाबाद इकाई ने जिला अध्यक्ष देवेंद्र गौड़ के नेतृत्व में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला उपायुक्त फरीदाबाद श्री विक्रम सिंह के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र स्थायी भर्ती, अतिथि अध्यापकों का स्थायी समायोजन व समान काम समान वेतन, वर्ष 2000 में नियुक्त अध्यापकों के लिए समायोजन नीति, कैशलैस चिकित्सा सुविधा, गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति, पीजीटी का पदनाम बदलकर लेक्चरर करने, प्रधानाचार्य पद को द्वितीय से प्रथम श्रेणी में करने, प्राथमिक शिक्षा को मातृभाषा में अनिवार्य बनाने जैसी अहम मांगें शामिल रहीं। इसके अतिरिक्त, महासंघ ने सभी राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालयों में छात्रों को फीस मुक्त करने, अंतर-जिला स्थानांतरण को पूर्ववत जोन सिस्टम से करने, सभी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में उप-प्रधानाचार्य का पद सृजित करने, कंप्यूटर शिक्षक, लैब सहायक व सभी ल्डफ्ल कर्मचारियों को विभाग में शामिल कर सेवा सुरक्षा प्रदान करने जैसी मांगें भी उठाईं। शिक्षकों की समस्याओं को प्रमुखता से रखते हुए महासंघ ने सरकार से त्वरित समाधान की अपील की है। इस अवसर पर महासंघ के प्रदेश महासचिव पुरुषोत्तम भारद्वाज, जिला अध्यक्ष देवेंद्र गौड़, रघु वत्स, सुंदर भड़ाना, जयप्रकाश उपप्रधान सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

बाबा राधेदास की छठीं पुण्यतिथि पर कनीना में हुआ भंडारे का आयोजन

-ईश्वर भक्ति में रूझान बढने पर सरकारी शिक्षक पद से त्यागपत्र देकर ग्रहण किया था सन्यास

कनीना सुनील दीक्षित
कनीना के प्रसिद्ध संत बाबा राधेदास महाराज की छठीं पुण्यतिथि पर सोमवार को हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें दूर-दराज से आए श्रधलुओं ने हिस्सा लिया। बाबा राधेदास आश्रम के संचालक बाबा राजेशदास ने बताया कि फाल्गुन माह की शुक्ल पक्ष एकादशी को आयोजित भंडारे से पूर्व हवन किया गया जिसमें प्रबुधजनों ने हिस्सा लिया। उसके बाद भंडारा प्रारंभ हुआ। उन्होंने बताया कि बाबा राधे दास का जन्म 1 जनवरी 1946 को हुआ था। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि व धार्मिक प्रवृत्ति के धनी थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद वे सरकारी विद्यालय में बतौर शिक्षक चयनित हुए। ईश्वर भक्ति व धार्मिक विचारों के कारण उन्होंने सर्विस छोड़कर सन्यास धारण कर लिया। सन्यास धारण करते ही उन्होंने अन्न का त्याग दिया ओर फल-फ्रूट का सेवन कर तप-साधना करते रहे। उन्होंने अलवर के सरिस्का अभयरण सहित विभिन्न स्थानों पर तपस्या की। उनकी छठीं पुण्यतिथि पर आयोजित भंडारे में साधु-संतो तथा श्रधालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन राजकुमार कनीनवाल, थान सिंह, अनिल कुमार, मोहन सिंह, यादवेंद्र सिंह, रमेश अरोड़ा, जयप्रकाश, विजय कुमार, दिनेश कुमार सहित प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

कार की टक्कर लगने के बाद नीलगाय की मौत कार सवार घायल

-कनीना-महेंद्रगढ सडक मार्ग पर गुढा-बुचावास के मध्य घटित हुई घटना

कनीना सुनील दीक्षित
कनीना-महेंद्रगढ सडक मार्ग पर बीती रात्री गुढा-बूचावास के मध्य एक फिलिंग स्टेशन के समीप एक कार की नील गाय से टक्कर हो गई। इस हादसे में नील की मौत हो गई वहीं कार में सवार नामालुम व्यक्तियों को भी चैटें आई बतायी जा रही है। ये कार महेंद्रगढ से कनीना की ओर जा रही थी। हादसे के बाद कार का फ्रंट शीश टूटने के साथ क्षतिग्रस्त हो गई। क्षतिग्रस्त कार को मौके पर छोडकर राहगीरों ने घायलों को नजदीक के अस्पताल में दाखिल कराया गया। कार सवार व्यक्तियों की हालत ठीक बताई गई है।

गुरुग्राम में प्रचंड बहुमत के साथ बनेगी ट्रिपल इंजन की सरकार : सुभाष बराला

भाजपा नेता चौधरी जाकिर हुसैन के नेतृत्व में गुरूग्राम के मुस्लिम समाज ने दिया भाजपा को समर्थन

(अनिल मोहनियां नूंह)
सोमवार को सदर बाजार स्थित यासीन प्लाजा पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी जाकिर हुसैन पूर्व विधायक के नेतृत्व में गुरूग्राम के मुस्लिम समाज ने भाजपा मेयर प्रत्याशी राजरानी मल्होत्रा के पक्ष समर्थन समारोह आयोजित कर भाजपा को समर्थन दिया। समर्थन समाथेह में मुख्य अतिथि हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद सुभाष बराला रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष कमल यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष तिलकराज मल्होत्रा, पूर्व मेयर मधु आजाद, हरविंद कोहली आदि के अलावा निर्विरोध पार्षद विकास यादव, पार्षद उम्मीदवार नरेश कटारिया, उम्मीदवार ऊषा वर्मा के पति जितेन्द्र वर्मा, उमीदवार आशीष गुप्ता के अलावा कई वरिष्ठ भाजपा नेतागण मौजूद रहे। समारोह में पहुंचनें पर सुभाष बराला व सभी अतिथियों का फूलमालाओं व पगड़ी बाँधकर व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। <सुभाष बराला ने जनसभा में लोगों को संबोधित कर आगामी 2 मार्च को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा का माहौल मजबूत है और पूरे प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ "ट्रिपल इंजन" की सरकार बनने जा रही है। जनसभा में भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने मोदी जिंदाबाद, नायब सैनी जिंदाबाद, सुभाष बराला जिंदाबाद और भारत माता की जय के जयकारे लगाए। लोगों ने बराला का भव्य स्वागत किया और फूल बरसाए। बराला ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया और 2 मार्च को कमल के फूल के निशान पर वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा की एकतरफा जीत होगी। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के सभी वार्डों में कमल का फूल खिलेगा और गुरुग्राम का तीन गुणा गति से विकास होगा। सुभाष बराला ने समर्थन समारोह मिले प्यार और आशीर्वाद का आभार जताया और कहा कि भाजपा के प्रत्याशियों को विजयी बनाएं,शहर का चहुंमुखी विकास कराना ही भाजपा की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय का चुनाव कोई साधारण चुनाव नहीं है, यह चुनाव शहर की तरक्की और लोगों की खुशहाली का चुनाव है। बराला ने कहा कि प्रदेश भर में मिल रहे अपार जनसमर्थन ने स्पष्ट कर दिया है कि 2 मार्च को लोग एकजुट होकर कमल के फूल के निशान पर वोट करेंगे और ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएंगे। सुभाष बराला ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी जाकिर हुसैन की भी जमकर तारीफ करते हुए कहा कि चौधरी जाकिर हुसैन भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। वो हमेशा भाजपा से लोगों को जोड़ने का दिन-रात प्रयास करते हैं। वे राजनेता के साथ-साथ एक बहुत बड़े समाजसेवी भी हैं जो हमेशा लोगों के सुख-दुख में काम आते हैं। उनकी व उनके परिवार की प्रदेश की नहीं बल्कि देश की राजनीति में बहुत बड़ा नाम और कद है। भाजपा नेता चौधरी जाकिर हुसैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की नॉन स्टॉप सरकार और क्षेत्र की ट्रिपल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाने का काम कर रही है। यह निकाय चुनाव प्रदेश को और अधिक मजबूत बनाने का चुनाव है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि आप लोग एकजुट होकर कमल खिलाएं, आपके क्षेत्र का विकास और तरक्की की जिम्मेदारी हम सबकी होगी। हुसैन ने सभी लोगों से अपील की कि आगामी 2 मार्च को भाजपा मेयर प्रत्याशी राजरानी मल्होत्रा व भाजपा के सभी पार्षद उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताने का कार्य करें और प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएँ। सभा को जिलाध्यक्ष कमल यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष तिलकराज मल्होत्रा, पूर्व मेयर मधु आजाद आदि वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित कर भाजपा के पक्ष में वोट की अपील की।

इस अवसर पर शादाब अली नकवी, हाफिज जान मौहम्मद, हाफिज तय्यब, युनुस खान, हाजी समीर, हाजी जुबैर, डॉह्व सिराज, हाजी हारिश, राजीव यादव एडवोकेट, वरिष्ठ समाजसेवी संजय गर्ग बिट्टू, चौह्व सुदर्शन सहरावत, सरदार जसबीर सिंह मलिक, सुधीर तनेजा, मौलाना असरूद्दीन, हाफिज शाकिर, खालिद, वकील टेरकपुर, नसीमा हुसैन एडवोकेट, कमलेश सहरावत, मुमताज खान, हारूनी, रिहाना, राजकुमार गाबा, पप्पू, हन्नी पहूजा, नरेन्द्र नंद्री श्याम स्वीट्स, अरसद पूर्व सरपंच, जमालू सरपंच, नसरू सरपंच आदि के अलावा हजारों लोग मौजूद रहे।